वर्षः 7- अंकः 150, मुंबई, शुक्रवार, 4 अगस्त, 2017 , मूल्यः1 रु. ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस.खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

अब हर सच होगा उजागर

ओमकार बिल्डर सीएम के लिए चुनौती

महाराष्ट्र में ओमकार बिल्डर-डेवलपर्स का कहां-कहां कितने प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है इन सब की जानकारी प्रतिदिन दैनिक मुंबई हलचल में पढ़ते रहें

बाबू लाल वर्मा
ओमकार बिल्डर

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस से वादा

जनता की आवाज को दैनिक मुंबई हलचल कभी और किसी हालत में दबने नहीं देगा !

प्रकाश मेहता
गृहनिर्माण मंत्री

मुंबई। बिल्डरों से सांठगांठ के कारण भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे गृहनिर्माण मंत्री प्रकाश मेहता की मुश्किलें बढ़ती ही जा रही हैं। महानगर के अलावा महाराष्ट्र के अन्य शहरों के बिल्डरों से भी इनकी मिली भगत की खबरों से महाराष्ट्र सरकार में इनकी भारी फजीहत व किरकिरी हो रही है। पूरा विपक्ष इनके इस्तीफे की मांग पर अड़ा है लेकिन गृहनिर्माण मंत्री प्रकाश मेहता को इन सब बातों की कोई फिक्र नहीं है। इस मामले में महाराष्ट्र की भाजपा-शिवसेना सरकार पर अंगुलियां उठनी शुरु हो गई हैं और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस के समक्ष एक गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। (शेष पृष्ठ 5 पर)

राजीव अग्रवाल
मैनेजर

होटल ट्रीबो 7 सीइपीएल मनपा आयुक्त के लिए चुनौती

बीएमसी के मुंह पर तमाचा

घाटकोपर हादसे का है बीएमसी को इंतजार

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

चुनाव में नोटा की वैधता को जांचेगा सुप्रीम कोर्ट

(समाचार पृष्ठ 6-7 पर)

देश में 100 पुल कभी भी ढह सकते हैं, तुरंत ध्यान देने की जरूरतः गडकरी

(समाचार पृष्ठ 8 पर)

मलाइका ने पति अरबाज से मांगे करोड़ों रुपए? तो मचा बवाल

(समाचार पृष्ठ 12 पर)

शुध्द घी में बना
केसरीया मलाई घेवर
MM MITHAIWALA
MALAD (W),TEL.: 288 99 501

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पहली बार सत्ता पक्ष ने किया चलते सदन का बहिष्कार

मुंबई, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के करीबी राज्य के गृह निर्माण मंत्री प्रकाश मेहता पर 1,000 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के आरोप से महाराष्ट्र में सत्ताधारी पार्टी बीजेपी तिलमिला गई है। विरोधी पक्ष नेता धनंजय मुंडे के लगाए आरोपों से सत्ताधारी इतने हताश हो गए कि उन्होंने विधान परिषद की बैठक का बहिष्कार कर दिया। इसके बाद कुछ समय के लिए सदन की कार्यवाही बिना किसी मंत्री के चलाई गई। इस घटना को देश के संसदीय इतिहास में पहली घटना बताया जा रहा है। हालांकि सत्ता पक्ष सदन में वापस बुलाने की मांग विपक्ष ने विधान परिषद के उपसभापति माणिकराव ठाकरे से की लेकिन सत्ता पक्ष सदन में नहीं लौटा। सत्ताधारी दल की अनुपस्थित के कारण पूरे दिन के लिए सदन को स्थगित कर दिया गया।

विपक्ष का जोरदार हमला

बुधवार को विधान परिषद में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान विरोधी पक्ष नेता धनंजय मुंडे ने झोपड़पट्टी पुनर्विकास प्राधिकरण (एसआरए) में व्याप्त भ्रष्टाचार का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि

मुंबई के ताड़देव में एमपी मिल मामले में विकासक को 800 करोड़ रुपये का फायदा देने के लिए मुख्यमंत्री के नाम का दुरुपयोग करने वाले गृह निर्माण मंत्री प्रकाश मेहता का एक और मामला सामने आया है। घाटकोपर में बिल्डर से वापस लिया गया 18 हजार 902 वर्ग मीटर भूखंड गृह निर्माण मंत्री मेहता ने फिर से म्हाडा से छीनकर विकासक की झोली में डाल दिया है। उन्होंने कहा कि यह मामला बेहद गंभीर है। मुख्यमंत्री को चाहिए कि वह गृह निर्माण मंत्री प्रकाश मेहता से तत्काल इस्तीफा लें। उस वक्त सदन में नारेबाजी होने लगी और पूरा सदन हंगामे से गूंज उठा। इसी मसले को लेकर सदन की कार्यवाही 3 बार स्थागित करनी पड़ी। शोरशराबे और नारेबाजी के बीच सदन के नेता चंद्रकांत पाटिल और संसदीय कार्यमंत्री गिरीश बापट कुछ कहना चाहते थे लेकिन हंगामे के कारण उनकी आवाज दब गई। इसी बीच सदन के नेता चंद्रकांत पाटिल ने शिवसेना व बीजेपी के विधायकों और मंत्रियों को सदन से बाहर जाने के लिए कहा। इसके बाद सदन की कार्यवाही फिर से स्थगित कर दी गई। सदन की कार्यवाही शुरू होने पर संजय दत्त, हेमंत टकले और शरद रणपिसे ने कहा कि सत्तापक्ष का सदन से वॉकआउट करना दुर्भाग्यपूर्ण है। विपक्ष हमेशा सरकार को सहयोग देता है। सदन चलना सरकार की जिम्मेदारी है। सरकार का अपमान करने का विपक्ष का कोई इरादा नहीं है। सदस्यों ने उपसभापति से मांग की कि वह मुख्यमंत्री और सदन के नेता चंद्रकांत पाटिल से बात करें ताकि सदन की कार्यवाही चलाई जा सके जिससे राज्य की आम जनता की समस्याओं को हल किया जा सके।

पुणे एवं कटरा के बीच 4 A/C साप्ताहिक सुपरफास्ट विशेषं गाड़ियाँ

मुंबई, यात्रियों की अतिरिक्त भीड को देखते हुए रेलवे ने पुणे एवं श्री माता वैष्णो देवी कटरा के बीच 4 वातानुकुलित साप्ताहिक विशेष गाड़ियों को चलाने का निर्णय लिया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

02135 वातानुकुलित सुपरफास्ट विशेष गाड़ी बुधवार दिनांक 9.8.2017 एवं 16.8.2017 (दो ट्रिप) को पुणे से 05.15 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन 20.25 बजे श्री माता वैष्णो देवी कटरा पहुंचेगी।

02136 वातानुकुलित सुपरफास्ट विशेष गाडी शुक्रवार दिनांक 11.8.2017 एवं 18.8.2017 (दो ट्रिप) को श्री माता वैष्णो देवी कटरा से 05.40 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन 20.05 बजे पुणे

पहुंचेगी।

ठहराव: लोनावला, कल्याण, वसई रोड, वापी, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, मथुरा, दिल्ली सफदरजंग, अंबाला कँट, लुधियाना, जलंदर कँट, पठानकोट कँट, जम्मू तावी एवं उधमपुर।

संरचना: 14 एसी 3-टियर

आरक्षण: गाडी क्रमांक 02135 का आरक्षण विशेष शुल्क के साथ दिनांक 6.8.2017 से सभी आरक्षण केंद्र में तथा वेबसाईट www.irctc.co.in पर प्रारंभ होगा।

सफाई कर्मचारियों के लिए मनपा खरीदेगी गमबूट

मुंबई, मनपा द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से सफाई कर्मचारियों को गमबूट मुहैया किया जाता है। लेकिन इन गमबूटों का उपयोग कर्मचारी द्वारा नहीं किया जाता बल्कि ठेकेदार द्वारा इसे खरीद कर अन्य जगहों पर कर्मचारियों को बेचने का आरोप मनपा सभागृह नेता यशवंत जाधव ने स्थायी समिति की बैठक में किया जिससे भाजपा गटनेता मनोज कोटक ने इस भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कर्मचारियों के बैंक खातों में पैसे भेजने की मांग की जिसका विरोध कर शिवसेना ने कांग्रेस रांकपा और मनसे का साथ लेकर कामगारो को ठेकेदार के दवारा गमबूट देने का प्रस्ताव पास कर दिया। गौरतलब है कि मनपा प्रसाशन द्वारा सफाई कर्मचारियों को उनकी सुरक्षा को लेकर गमबूट दिया जाता है गमबूट मनपा ठेकेदारों के द्वारा मुहैया कराती है। स्थाई समिति की बैठक शिवसवेना सहित सभी पार्टी के सदस्यों ने आरोप लगाया की ठेकेदार कर्मचारियों को गमबूट नहीं देते। मनपा सदनं के नेता यशवंत जाधव ने आरोप लगाया की ठेकेदार कामगारों को दिए हुए गमबूट दोबारा खरीद कर दुसरे स्थान के कर्मचारियों को बेच देते है अथवा निजी जगहों पर चल रहे काम जहा पर गमबूट की जरूरत होती है वह पर बेच दिया जाता है। शिवसेना के लगाए आरोप पर भाजपा नेता मनोज कोटक ने कहा की इस तरह का भरस्टाचार चल रहा है तो कर्मचारियों के खाते में सीधे मनपा पैसा दे जिससे कामगार खुद की जरूररत के अनुसार सुरक्षा को देखते हुए खुद जूते खरीद ले। स्थाई समिति में सभी सदस्यों ने एक होकर मनपा के ठेकेदारों पर आरोप लगाया की कामगारों को सुरक्षा को लेकर मनपा द्वारा दिए जा\ने वाले सामन उपलब्ध नहीं कराते। सदस्यों ने यह नहीं कहा की जो भी कर्मचारी गमबूट आदि नहीं पहन कर आते उन्हें काम पर नरखते हुए वापस भेज देना चाहिए मनपा अतिरिक्त आयुक्त विअज्य सिंघल ने भी मान्य किया की कर्मचारी सुरक्षा के उपाय को लेकर दी गई सामग्री का उपयोग करते हुए नहीं दिखाई देते उन्होंने कह की आज ही वह इस तरह का आदेश निकालेंगे की जो भी कर्मचारी काम आते है उनके पास मनपा द्वारा दी गई सामग्री होना जरूरी होगा नहीं तो काम पर से लौटा दिया जायेगा। मनपा ने सफाई कर्मचारियों की हाजिरी अब बायोमैट्रिक से ले रही है तो सभी कर्मचारी को मनपा की चौकी पर आना अनिवार्य हो गया है। शिवसेना के सदस्यों ने ठेकेदार दवारा भरस्टाचार किये जाने का आरोप लगाया लेकिन कामगारों के कहते में सीधे पैसे देने का विरोध किया। भाजपा ने आखिर कर इस प्रस्ताव को पास करने के लिए मतदान कराया जहा पर शिवसेना कांग्रेस मनसे और समजावडी सहित रांकपा का साथ लेकर प्रस्ताव को मंजूर कर दिया और ठेके डरो कके भरस्टाचार को आगे भी शुरू रखने का मौका दे दिया।

15 अगस्त से बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में दौड़ेगी एसी बस

घाटा होने पर एमएमआरडीए उठायेगी बोझ

मुंबई, घाटे में चल रही बेस्ट उपक्रम के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। बेस्ट ने बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में ऐसी बसे चलाने का निर्णय लिया है। बेस्ट की इन बसों को घटा होने पर एमएमआरडीए ने घाटे का पैसा देने की तैयारी दर्शाई है जिससे बेस्ट को डूबते के रूप में एक तिनके का सहारा मिला है।

बता दे की बेस्ट की खस्ता हाल होने पर बेस्ट ने अपने बेड़े से ऐसी के सभी बसो को बंद कर दिया था। बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में बड़े पैमाने पर आफिस एवं कार्यालय खुले है। लोगो को याता यात की सुविधा को लेकर बड़ी परेशानी हो रही थी जिसको देखते हुए बेस्ट ने इस परिसर में लोगो की मांग पर ऐसी बस चलाने का निर्णय लिया है। बेस्ट ने टाटा स्टार बस की 32 सीट वाली बस खरीदने का निर्णय लिया है जिस पर बेस्ट प्रशासन ने

प्रति बस एक करोड़ 7 लाख रुपया खर्च करने का निर्णय लिया है। बेस्ट प्रशासन कुल 25 बस खरीदने की तैयारी दर्शाई है शुरू में 5 बसो से इसकी शुरूआत की जाएगी। बेस्ट कुर्ला कॉम्प्लेक्स के परिसर में टिकट दर 15 से 25 रुपया रखने का निर्णय लिया है।बेस्ट ने ऐसी बसो में सीसीटीव्ही वाई फाई की सुविधा मुहैया कराएगी। एमएम आरडीए ने बेस्ट को घाटे में आने पर बकाया राशि चुकता करने की तैयारी दर्शाई है।

रानी बाग पेंग्विन कक्ष के पास बने बेस्ट संग्रहलाय

बेस्ट समिति अध्यक्ष अनिल कोकिल ने मनपा प्रशासन से गुहार लगाई है कि रानीबाग पेंग्विन पक्षी को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग आते है।बेस्ट मनपा प्रशासन की शान है और मुंबई की दूसरी लाइफ लाइन के रूप में जानी जाती है। बेस्ट का अपना एक इतिहास है। जिसकी जानकारी आम जनता तक पहुचे और लोग बेस्ट के बारे में समझ सके इसके लिए पेंग्विन कक्ष के ऊपर खाली पड़ी जगह में बेस्ट का संग्रहलाय बनाया जाए।

बेस्ट को दिया बोनस का पैसा मनपा नहीं लेगी नहीं लगी

मनपा प्रशासन ने बेस्ट कर्मचारियों के बोनस को लेकर पिछले साल दिए गए 25 करोड़ रुपए का कर्ज वापस नहीं लेने का निर्णय लिया है।मनपा प्रशासन ने 25 करोड़ न लेने की शर्त पर कहा है कि मनपा आगे बेस्ट को किसी तरह की सहायता राशि अब नहीं देगी।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-दिलशाद एस खान द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:9619102478 /9769659975 कार्यकारी संपादक - सी हरीश
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

होटल ट्रीबो 7 सीइपीएल

मनपा आयुक्त के लिए चुनौती

बीएमसी के मुंह पर तमाचा

मुंबई। अंधेरी पूर्व में बैंक आफॅ बडौदा के पास स्थित इलाइट ऑटो हाउस के समीप होटल ट्रीबो 7 सीइपीएल, जो 7 कांटिनेटस एक्सप्रेस प्रा. लिमिटेड, 54 ए, फर्स्ट फ्लोर पर है, का मामला इन दिनों मनपा के/ई वार्ड में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस होटल से रिश्वत खाये अधिकारियों में काफी घबराहट फैली हुई है क्योंकि उन्होंने होटल ट्रीबो 7 सीइपीएल के मालिक से रिश्वत लेकर इस खतरनाक होटल को चलाने की अनुमति दे रखी है। जब से घाटकोपर में बिल्डिंग गिरने का हादसा हुआ है इन्हें डर है कि इनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई का आदेश मनपा आयुक्त अजोय मेहता कभी भी जारी कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि घाटकोपर बिल्डिंग हादसे में 17 लोगों की जान चली गई थी और 50 से अधिक लोग घायल हुये थे। घाटकोपर की इस बिल्डिंग के साथ इसके मालिक द्वारा पीलरों के साथ छेड़छाड़ कर अवैध निर्माण किया गया था जिस कारण बिल्डिंग ध्वस्त हो गई थी। बिल्कुल ऐसा ही वाकया अंधेरी पूर्व के होटल ट्रीबो 7 सीइपीएल का है जिसके पीलरों से छेडछाड कर अवैध निर्माण किया गया है और जो अब लोगों की जान का दुश्मन बना हुआ है। घाटकोपर हादसे के बाद से मनपा आयुक्त अजोय मेहता अपने अधीनस्थों पर कड़ी नजर रखे हुए हैं। इसके बावजूद मनपा के/ई वार्ड के भ्रष्ट अधिकारियों ने ट्रीबो 7 सीइपीएल होटल से रिश्वत खा कर इसे चलाने की अनुमति दे रखी है। इनकी यह हिमाकत यकीनन मनपा आयुक्त अजोय मेहता के लिए एक चुनौती है और बीएमसी पर एक करारा तमाचा है।

पीलरो से छेड़छाड़ करके किये गये अवैध निर्माण के कारण अंधेरी में भी किसी भीषण दुर्घटना होने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। जैसा कि आपको मालूम है अंधेरी पूर्व में बैंक आफॅ बडौदा के पास स्थित इलाइट ऑटो हाउस के समीप होटल ट्रीबो 7 सीइपीएल, जो 7 कांटिनेटस एक्सप्रेस प्रा. लिमिटेड, 54 ए, फर्स्ट फ्लोर पर है, उसमें जमीन अतिक्रमण करके अवैध रूप से 24 कमरों का निर्माण किया गया है। इसी होटल के पीलरों से छेड़छाड़ की गई है। जिस कारण यह इमारत कभी भी गिर सकती है।

याद रहे कि ऐसे ही पीलर में छेड़छाड़ के कारण घाटकोपर में पिछले दिन हुए बिल्डिंग हादसे में 17 लोगों के मारे जाने और 50 से अधिक लोगों के घायल होने का मामला इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है।

ट्रीबो 7 सीइपीएल के मालिक मैनेजर द्वारा होटल में बने सभी अवैध 24 कमरों को अपने ग्राहकों को इस्तेमाल करने के लिए देता है। यहां उनके लिए शराब और शबाब का पूरा इंतेजाम रहता है और निर्धारित समय सीमा के बाद भी बीती रात तक उनकी धमाचौकड़ी जारी रहती है। अपको बता दें कि इसके टेरिस पर हुआ निर्माण भी पूरी तरह से अवैध है। यहां न तो लोगों के लिए खुली जगह है और न ही अग्निशमन यत्रों की व्यवस्था। गंदगी को बाहर फेंकने लिए पाईपे तो लगी हैं लेकिन वे सभी बेतरतीब व खुले हैं जिस कारण यहां कभी भी कोई गंभीर दुर्घटना हो सकती है। इस होटल का मालिक अपनी निजी कमाई के लिए इसका खुलेआम दुरुपयोग कर रहा है। इसने गाड़ियों की पार्किंग के लिए भी किसी प्रकार की कोई अनुमति नहीं ले रखी है और यहां पर बगैर अनुमति के गाड़ियों की पार्किंग की जाती है। जबकि टेरिस का इस्तेमाल पार्टियों के लिए भी किया जाता है जहां लोगों की उपस्थिति की कोई सीमा निर्धारित नहीं होती। इस कारण वहां जुटी भीड से कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। इस बारे में जब होटल मालिक, संचालक और प्रबंधक से पूछा जाता है तो वे लोग सफाई देने के बदले उल्टे शिकायत कर्ताओं को धमकी और उन्हें परेशान करने की कोशिश की जाती है। यहां तक कि आम सड़क पर अवैध पार्किंग की वजह से होटल मालिक की निजी संपत्ति बन गई है। जो खाद्य वस्तुए सुप्रीम कोर्ट ने प्रतिबंधित कर रखा है वे वस्तुए भी इस होटल में ग्राहकों को धडल्ले से परोसी जा रही है। इस होटल के मालिक ने बिजली और पानी का अवैध कनेक्शन भी इन विभाग के अधिकारियों को रिश्वत खिलाकर ले रखा है। लोगों ने इस समाचार पत्र को लिखकर मुख्यमंत्री, मनपा आयुक्त और पुलिस आयुक्त से इस अवैध होटल पर अविलंब कार्रवाई करते हुए इसके मालिक मैनेजर पर धोखाधड़ी व जालसाजी का मामला चलाकर उसपर एम.आर.टी.पी. और भारतीय कानून के तहत दंडित करने की मांग की है।

मनपा के/ई वार्ड के रिश्वतखोर अधिकारियों को सस्पेंड करने के लिए मनपा आयुक्त अजोय मेहता पर दवाब बढता जा रहा है क्योंकि होटल ट्रीबो 7 सीइपीएल में घाटकोपर हादसा की आशंका से लोग भयभीत हैं। अब मनपा आयुक्त अजोय मेहता का अगला कदम क्या होगा सबको इसका इंतेजार है।

घाटकोपर हादसे का है बीएमसी को इंतजार

लोगों की जान खतरे में

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

सियासत के लिए आईना

माननीयों के पढ़े-लिखे न होने के किस्से अभी तक सिर्फ चौक-चौराहों पर बतकही तक सीमित थे, परंतु कोर्ट ने जिस तरह से टिप्पणी करनी शुरू की है, विधायिका को भी शैक्षिक योग्यता के बारे में सोचना चाहिए। क्या राजनीति के लिए शैक्षिक योग्यता का निर्धारण किया जाना चाहिए? अब यह सवाल आम आदमी की जुबान से ऊपर उठकर न्याय के मंदिर में भी गूंजने लगा है। प्रश्न इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि एक राजनीतिक मंत्री पद पाने के बाद मातहत के रूप में उन अफसरों को आदेश-निर्देश देता है जो सरकारी सेवा संवर्ग को पंद्रह-बीस साल की रात-दिन पढ़ाई के बाद हासिल करते हैं। जबकि इसके उलट आदेश देना वाला उतना ही पढ़ा-लिखा हो यह जरूरी शैक्षिक अर्हता निर्धारित नहीं हो सकी है। इसे देश की विसंगति इसलिए माना जाएगा, क्योंकि जनता के हक-हुकूक के लिए हर तरह के निर्णय लेना का अधिकार संविधान ने सर्वप्रथम विधायिका को दिया है। जाहिर है विधायिका कम पढ़ी-लिखी होगी तो लोगों के हित-अनहित को क्या समझेगी? राजनीतिकों के अंगूठा छाप होने का बड़ा नुकसान इस रूप में भी होता है कि अफसर मजबूरी में जी हुजूरी तो करते हैं, पर नियम-कानून का पेंच फंसाकर जनरुचि के कार्मों में अवरोधक खड़े कर देते हैं। आज का युग विज्ञान का है। शिक्षा के स्तर पर गुणात्मक परिवर्तन के बाद दसवीं के स्तर तक विज्ञान की पढ़ाई अनिवार्य हो गई है। ऐसे में दसवीं तक की शिक्षा ग्रहण करने वाले को भी चंद्रमा और मंगलग्रह के बारे में बेसिक जानकारी हो जा रही है, परंतु राजनीतिक जो पाठशाला जाते नहीं तथा इलाके में बाप-दादा के रसूख की बदौलत चुनाव जीतकर विधानसभा या संसद में पहुंच जाते हैं, को विज्ञान क्या सामान्य ज्ञान तक की जानकारी नहीं रहती। बीते मंगलवार को हाईकोर्ट ने नौकरी को लेकर एक याचिका को खारिज करते हुए कहा कि शैक्षिक योग्यता के बिना आप राजनीति में तो जा सकते हैं, लेकिन नौकरी नहीं पा सकते। खंडपीठ ने एक आयुर्वेदिक कॉलेज से सेवामुक्त नर्सिंग सिस्टर की याचिका पर सुनवाई करते हुए ये टिप्पणी की। याचिकाकर्ता सिस्टर से डिमांस्टेटर और फिर लेक्चरर बन गईं थी। शैक्षिक आधार पर कमजोर होने पर उनकी नियुक्ति को गलत मान उन्हें सेवामुक्त कर दिया गया है। खंडपीठ ने कहा कि बिना योग्यता के नौकरी में बने रहने की इजाजत कोर्ट नहीं दे सकता। यह भी कहा कि आप सातवीं-आठवीं पास हैं तो नेता बन सकते हैं, क्योंकि इसके लिए योग्यता की जरूरत नहीं। 80 के दशक तक लोग कहीं से भी फर्जी डिग्री प्राप्त कर नौकरी पा जाते थे। अब योग्यता होगी तो ही नौकरी मिलेगी। कोर्ट की टिप्पणी सीधी तौर पर यह संदेश देती है कि नौकरी के लिए योग्यता को परखने का पैमाना मजबूत हुआ है। जबकि राजनीति में जाने वालों के लिए अब भी कोई ऐसा सिस्टम नहीं बन पा रहा जिससे पढ़ी-लिखी जमात को ही इंट्री मिल सके। कोर्ट ने सियासत को आईना दिखाने का काम किया है। हालांकि राजनीतिक इस दर्पण को अपनाएंगे, इसमें संदेह है।

सुविचार

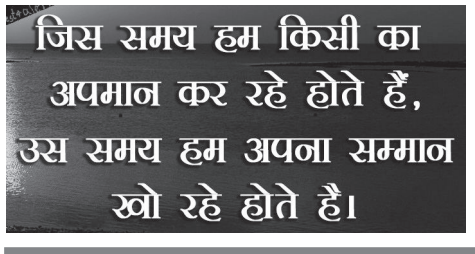

राज्यसभा में सुधार का सही समय

राष्ट्रपति और उप-राष्ट्रपति चुनाव, राष्ट्रीय-पिछड़ा वर्ग संशोधन विधेयक पर सरकार की लज्जाजनक हार और सदस्यों की गैरहाजिरी को लेकर संसद का उच्च सदन राज्यसभा अचानक कुछ ज्यादा ही सुर्खियों में आ गया है। नरेंद्र मोदी सरकार के लोकसभा चुनाव 2014 में प्रचंड बहुमत प्राप्त करने के बाद से राज्यसभा बराबर लोकसभा से टकराव का रास्ता अपनाए हुए है। राज्यसभा को कानून बनाने और संविधान संशोधन करने के संबंध में लोकसभा के बराबर अधिकार है, लेकिन अभी भाजपा को राज्यसभा में बहुमत हासिल नहीं है। हालांकि संविधान के अनुच्छेद 108 के अनुसार दोनों सदनों में किसी कानून को पारित करने पर विवाद की स्थिति में राष्ट्रपति उनका एक संयुक्त अधिवेशन बुला सकता है। केवल धन-विधेयक पर राज्यसभा को कोई अधिकार नहीं। इसीलिए मोदी सरकार ने आधार-विधेयक को धन-विधेयक के रूप में पेश किया जिससे उसे राज्यसभा के व्यवधान से बचाया जा सके, परंतु प्रत्येक विधेयक के मामले में ऐसा करना संभव नहीं है। तो क्या राज्यसभा द्वारा विरोध और व्यवस्थापन में व्यवधान के चलते प्रचंड जनादेश प्राप्त किसी सरकार को काम करने से रोका जा सकता है? मोदी सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 338 और 338(अ) के अंतर्गत राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग और राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की तर्ज पर एक राष्ट्रीय-पिछड़ा वर्ग आयोग बनाने के लिए संविधान संशोधन विधेयक पेश किया था। संविधान के अनुच्छेद 340 में राष्ट्रपति को एक पिछड़ा वर्ग आयोग बनाने का अधिकार है, पर उस आयोग का स्तर अनुसूचित-जाति और अनुसूचित जनजाति राष्ट्रीय आयोग जैसा नहीं है। शायद बहुतों को पता भी नहीं कि अनेक जनजातियां गलती से पिछड़े-वर्ग में सम्मिलित कर ली गई हैं और बहुत सी जातियां पिछड़े वर्ग में प्रवेश के लिए तरस रहीं हैं। इसलिए राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग बहुत महत्वपूर्ण विधेयक है, लेकिन कांग्रेस के दिग्विजय सिंह ने राज्यसभा में संख्या बल के आधार पर ऐसा संशोधन करवा लिया जिससे पिछड़ा वर्ग आयोग इस स्वरूप में मूर्त रूप ही न ले सके। क्या कांग्रेस को डर था कि संशोधन विधेयक पास होने से भाजपा को उसका राजनीतिक लाभ मिलेगा? शायद कांग्रेस यह भूल गई कि उसका यह दांव उल्टा भी पड़ सकता है और पिछड़ों में आधार बढ़ाने की दौड़ में वह और पिछड़ सकती है।

सरकार को अब वही कवायद दोबारा करनी पड़ेगी। लोकसभा में उस संशोधन विधेयक को दोबारा प्रस्तुत करना पड़ेगा और फिर उसे दोबारा राज्य सभा में भेजना पड़ेगा। राज्यसभा को यह नहीं भूलना चाहिए कि वह जनता द्वारा निर्वाचित सदन नहीं है और उसे लोकसभा से टकराव का रास्ता नहीं अपनाना चाहिए। इससे न केवल वह अपने मूल दायित्व से विमुख हो रही है, वरन जनता का भी कोप-भाजन बन सकती है। संविधान बनाते समय राज्यसभा को उच्च सदन की गरिमापूर्ण स्थिति दी गई और उम्मीद की गई थी कि दलगत राजनीति से ऊपर उठ कर वह स्तरीय बहस के आधार पर विधेयकों में सुधार और राज्यों के संघीय हितों का संरक्षण करेगी, न कि पिछड़ा वर्ग विधेयक जैसे प्रगतिशील विधेयकों को नष्ट करने का काम करेगी। यदि राज्यसभा कामकाज में रुकावट बनती है तो वह स्वयं अपनी गरिमा पर प्रहार करेगी। राज्यसभा में प्रतिपक्ष के नेता गुलाम नबी आजाद ने ठीक ही

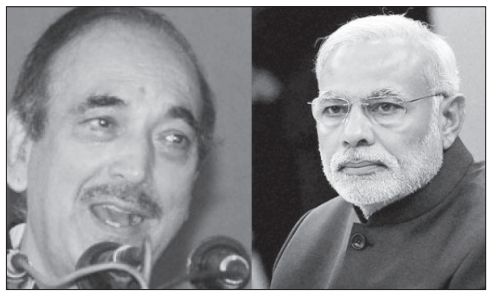

कहा कि किसी को भी सदन को कमजोर करने का प्रयास नहीं करना चाहिए, लेकिन ऐसा लगता है कि स्वयं उनकी अपनी ही कांग्रेस पार्टी ऐसा कर रही है। राज्यसभा सदस्यों को यह भी नहीं भूलना चाहिए कि सदन जनता के टैक्स से चलता है और सदन के सजीव प्रसारण से जनता को उन्हें अच्छी तरह से देखने-जांचने का मौका मिलता है। राज्यसभा में सदस्यों के व्यवहार से न केवल सदन के प्रति जनमत बनता है वरन राजनीतिक दलों का भी जन-मूल्यांकन होता रहता है जिसका दूरगामी प्रभाव दूसरे सदन लोकसभा के चुनावों पर भी पड़ता है।

हमारे संविधान बनाने वाले 299 विद्वानों ने ब्रिटिश संसदीय व्यवस्था का अनुसरण किया, लेकिन राज्यसभा का स्तर वहां की समकक्ष लॉर्ड-सभा (हाउस ऑफ लॉर्ड्स) जैसा नहीं रखा। लॉर्ड-सभा को न तो कोई कानून बनाने का अधिकार है, न ही संविधान में संशोधन का। लॉर्ड-सभा में केवल वाद-विवाद होते हैं। यदि वहां की कॉमन-सभा (हाउस ऑफ कॉमंस जो हमारी लोकसभा का समकक्ष है) और सरकार उन वाद-विवादों से लाभान्वित होना चाहे तो और बात है। ब्रिटेन की लॉर्ड सभा कभी भी लोक सदन के लिए व्यवधान नहीं बन सकती और यह व्यवस्था आज से नहीं, वरन वर्ष 1910 से लागू है। इस संबंध में अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा गठित न्यायमूर्ति एमएन वेंकटचलैया संविधान समीक्षा समिति की मार्च 2002 में की गई सिफारिशें याद आती हैं। राज्यसभा के संबंध में समिति ने खास तौर से सिफारिश की थी कि सदन का अधिवेशन कम से कम 100 दिन अवश्य चले और सदस्य अपने आचरण और व्यवहार से संसद की प्रतिष्ठा और गरिमा को बनाने की कोशिश करें।

समिति ने नए सदस्यों के गंभीर प्रशिक्षण की भी सिफारिश की थी जिससे वे संसद की जटिल प्रक्रियाओं, व्यवस्थाओं, नियमों, परंपराओं और संसदीय मयार्दाओं से रूबरू हो सकें, लेकिन राज्यसभा में गैरहाजिरी और विविध विषयों पर वाद-विवाद में सदस्यों की घटती रुचि के चलते एक नई समस्या पैदा हो गई है। राज्यसभा में 12 सदस्यों को साहित्य, विज्ञान, कला, और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में विशेष ज्ञान या व्यावहारिक अनुभव के आधार पर मनोनीत किए जाने का प्रावधान है, लेकिन मनोनीत सदस्य तो जैसे भूले-भटके ही कभी राज्यसभा पहुंचते हैं। जैसा कि राज्यसभा सदस्य नरेश अग्रवाल ने मांग की कि रेखा और सचिन जैसे मनोनीत सदस्य या तो सदन में आएं या त्यागपत्र दें। मनोनीत सदस्यों को रखने के पीछे तर्क यह था कि ऐसे लोग चुनाव आदि के बारे में कभी नहीं सोच सकते, इसलिये उनके ज्ञान और अनुभव का प्रयोग कर बेहतर कानून बनाने के लिए उनका मनोनयन किया जाए, पर यदि ऐसे सदस्य सदन में आते ही नहीं तो मनोनयन का क्या औचित्य? राज्यसभा में सुधार अब अपरिहार्य हो गए हैं। राजनीतिक नफा-नुकसान से ऊपर उठकर संघवाद और संसदीय लोकतंत्र की मूल भावना के अनुरूप संवैधानिक संशोधन करने होंगे। यह ठीक है कि अभी भाजपा और राजग का राज्यसभा में संख्या बल नहीं है, लेकिन जैसे-जैसे विभिन्न राज्यों में भाजपा अपनी पकड़ बना रही है उससे उम्मीद है कि 2019 आते-आते राज्यसभा में भी मोदी सरकार को काफी राहत हो जाएगी।

फिर भी इस पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए कि क्या भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में जनादेश पर आधारित लोकसभा गैर-जनादेश पर आधारित राज्यसभा की बंधक होनी चाहिए? क्या सामान्य कानून बनाने में भी लोकसभा और राज्यसभा के संबंध में संविधान के अनुच्छेद 109 में धन-विधेयकों के संबंध में वर्णित प्रावधानों जैसे नहीं हो सकते? क्या दोनों सदनों के पारस्परिक संबंधों के निर्धारण में हम ब्रिटेन के संविधान का अनुसरण नहीं कर सकते? ऐसा करने से राज्यसभा की गरिमा पर कोई आंच नहीं आएगी, वरन उसे जनादेश और जनाकांक्षा के और अनुरूप बनाया जा सकेगा।

अपने जाल में फंसता चीन

बीजिंग में दोनों देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के बीच मुलाकात के बाद चीन ने डोकलाम विवाद को लेकर नए सिरे से जो कुछ कहा उससे यह साफ है कि उस मुलाकात से बात नहीं बनी। चीन ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के बीच हुई बातचीत का विवरण सार्वजनिक करने के साथ ही 15 सूत्रीय कथित तथ्य पत्र में यह उल्लेख करके एक तरह से अपने पुराने दावे को खुद ही खारिज कर दिया कि डोकलाम में उसके और भूटान के बीच विवाद है। इसके पहले तक वह डोकलाम में भूटान के दावे को ही खारिज कर रहा था और उसे अपना क्षेत्र बता रहा था। क्या यह अजीब नहीं कि पहले भूटान का जिक्र तक करने से बच रहा चीन अब उससे विवाद होने की सच्चाई बयान कर रहा है? भारत ने डोकलाम को तो अपना क्षेत्र कहा ही नहीं। भारत तो पहले दिन से कह रहा है कि उसने डोकलाम में अपनी सेना भूटान की मदद के लिए भेजी है। भारत का यह रुख भी सर्वज्ञात है कि उसकी चिंता सिक्किम सीमा के निकट डोकलाम में चीन की ओर से सामरिक बढ़त हासिल कर उस संकरे गलियारे की सुरक्षा खतरे में डालना है जो पूर्वोत्तर को शेष देश से जोड़ता है। यदि चीन भारत के लिए सामरिक खतरा नहीं पैदा करना चाहता तो फिर उसके लिए डोकलाम में सड़क बनाने की जिद पकड़ने का क्या मतलब? अब जब चीन ने जाने-अनजाने डोकलाम में भूटान से विवाद को स्वीकार कर लिया है तो फिर भारत को चाहिए वह भी नए सिरे से अपनी बात रखे और भूटान को भी इसके लिए प्रेरित करे। दुनिया के समक्ष भूटान की ओर से यह तथ्य आना ही चाहिए कि डोकलाम विवाद को हल करने के लिए चीन और उसकेबीच कई दौर की वार्ता हो चुकी है और भारत ने इस इलाके में अपनी सेना उसकी मदद के लिए भेजी है। इसी तरह उस समझौते को भी नए सिरे से रेखांकित किया जाना चाहिए जिसमें यह तय हुआ था कि डोकलाम का विवाद हल हुए बगैर कोई भी देश दूसरे की सहमति बिना निर्माण कार्य शुरू नहीं करेगा।

चीन की धमकियों और उसके विदेश मंत्रालय के अशिष्ट बयानों की परवाह न करते हुए भारत को इसी पर जोर देते रहना चाहिए कि इस विवाद का समाधान कूटनीति के जरिये ही निकल सकता है। चीन अपने गर्जन-तर्जन से जिस तरह खुद अपनी फजीहत करा रहा है वह भारत के हित में है। चीन को एक तो यह समझने की जरूरत है कि भारत 1962 को पीछे छोड़कर आगे बढ़ चुका है और दूसरे यह कि भारत से बैर लेकर वह आगे नहीं बढ़ सकता। यह बात खुद के चीन के कई विशेषज्ञ भी कह रहे हैं। चीन के इस दुष्प्रचार का कोई मतलब नहीं कि भारत ने डोकलाम में तैनात अपने सैनिकों की संख्या कम कर दी है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मराठा मोर्चा से पहले चर्चा करना चाहती है सरकार : पाटील

मुंबई। राज्य के विभिन्न जिलों में मराठा मोर्चा के बाद अब राजधानी मुंबई में मोर्चे की तैयारियों के बीच मोर्चे से पहले सरकार मराठा समाज के प्रतिनिधियों से चर्चा करना चाहती है। राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रकांत पाटील ने कहा कि अब सरकार ने मराठा समाज की सभी मांगों को पूरी करने की कोशिश की है। जबकि मराठा आरक्षण का मामला अदालत में होने की वजह से इस बारे में सरकार कोई फैसला नहीं ले सकती। विधानभवन स्थित पत्रकार कक्ष में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि कोपर्डी घटना के बाद मराठा समाज की तरफ से राज्यभर में मोर्चे

निकाले गए। सरकार मोर्चा निकालने के खिलाफ नहीं है। लोकतंत्र में मोर्चा निकालना अभिव्यक्ति का साधन है। मराठा समाज जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं। शिक्षा के लिए आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए मिलने वाली मदद के लिए वार्षिक आय सीमा को 1 लाख से बढ़ा कर 6 लाख करने का फैसला लिया गया। सरकार राज्य के सभी जिलों में लड़के व लड़कियों के लिए होस्टल बनाने को तैयार है। उन्होंने कहा कि एट्रोसिटी पर फैसला लेने का अधिकार केंद्र सरकार के पास है। पाटील ने कहा कि आगामी 9 अगस्त को मुंबई में निकलने वाले मराठा मोर्चे से पहले सरकार चर्चा को तैयार है। इसके लिए एक समिति बनाई जानी चाहिए। एक सवाल के जवाब में पाटील ने कहा कि सरकार यह कतई नहीं चाहती की यह मोर्चा न निकले।

'लक्षवेधी परिवार' ने इकोफ्रेंडली मूर्तिकार का किया सत्कार

मुंबई। मुंबई ही नहीं पुरे विश्व में प्रसिद्ध इकोफ्रेंडली मूर्ति बना कर भेजने वाले एक दंपत्ति को लक्षवेधी परिवार संस्था ने स्म्मानित कर उन्हें बुलंदियों पर पहुंचा दिया है। जिसकी आज पुरे मुंबई में चर्चा हो रही है।

गौरतलब है की 29 जुलाई 2017 के दिन प्रभादेवी मुंबई के टेक्सटाइल कमिटी हॉल सभागृह में लक्षवेधी परिवार नामक प्रमुख सामाजिक संस्था मुंबई के सौजन्य से एक भव्य सत्कार समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रथमेश इकोफ्रेंडली संस्था की अध्यक्षा जयश्री गजकोश व संदीप गजकोश का संस्था के संचालक अतुल गोरे व अतुल राजोली के हाथों जाहिर सत्कार किया गया। लक्षवेध इंस्टिट्यूट ऑफ लीडरशिप एंड एक्सलनसी व्यावसायिक सामाजिक संस्था द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में गजकोश दंपत्ति को प्रमुख रूप से आमंत्रित कर उनका सत्कार किया गया है। बता दें की मुंबई में प्रथमेश इकोफ्रेंडली संस्था के सौजन्य से बनाई गई मुर्तिया देश विदेश में भेजी जाती हैं। इस संस्था में महिला बचत गट की महिलाओ को लेकर जयश्री व संदीप सुप्रसिद्ध इकोफ्रेंडली मूर्तियो का निर्माण करते हैं।

कुर्ला नेहरू नगर में स्थित यह संस्था आज बुर्लदियों पर पहुँच चुकी है। अपने सत्कार कार्यक्रम में बोलते हुए जयश्री ने कहा की यह मेरा सत्कार नहीं पुरे गजकोश परिवार का सत्कार हुआ है। हम लक्षवेधी परिवार के आभारी हैं। इस कार्यक्रम के समय संस्था के सचिव रमेश गुरव, सचिन लोहाडे, एनएलपी प्रशिक्षक डेविड लिंकन आदि मान्यवर भी उपस्थित थे।

रक्षाबंधन के दिन बेस्ट चलाएगी अधिक बसें

मुंबई। रक्षाबंधन के दिन बड़े प्रमाण में लोग एक जगह से दूसरी जगह अपने रिश्तेदारों से मिलने जाते है। इस दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए बेस्ट प्रशासन ने लगभग 212 अतिरिक्त बसें चलाने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि रक्षाबंधन का त्यौहार भाई बहन का पवित्र त्यौहार माना जाता है। रक्षाबंधन का त्यौहार सोमवार 7 अगस्त को मनाया जाना है। इस दिन बड़ी संख्या में लोग अपने रिश्तेदारों से मिलने जाते है। वहीं इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों द्वारा बेस्ट बस से यात्रा की जाती है। शहर व उपनगर में विभिन्न जगहों पर आनेजाने वाले यात्रियों की सुविधा व होनेवाली भीड़ से निपटने के लिए बेस्ट प्रशासन ने लगभग 212 अतिरिक्त बसें चलाने का निर्णय लिया है जिससे सोमवार को सड़कों पर बेस्ट की अधिक बसें दौड़ती नजर आएगी। इस दिन दोपहर 12.30 बजे से पूरे दिन अतिरिक्त बेस्ट बसें सडकों पर चलाई जायेगी। यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए आवश्यकता के अनुसार अधिक बसें चलाये जाने का बेस्ट प्रशासन ने कहा है। वहीं इस दौरान यात्रियों की मदद के लिए बेस्ट के सभी बस स्टेशनों पर बस निरीक्षक,परिवहन अधिकारी व सुरक्षा रक्षको को नियुक्त किया जाएगा।

सूचना

गजट प्रकाशन

न्यायालय प्रधान न्यायधीश
कुटुम्ब न्यायालय
मोकाम-आरा,भोजपुर
मेन्टेनेंन्स केस नं.-233/2015

प्रियंका कुमारी _____ आवेदिका

बनाम

उमेश कुमार सिंह _____ विपक्षी

गजट बनाम

उमेश कुमार सिंह पिता पुरुषोत्तम सिंह,

वर्तमान पता- **House No. J/3,** शुक्ला कॉलोनी, सीडको के पीछे, बोइसर **(Boisar),** थाना- पालघर **(Palghar),** जिला- पालघर (महाराष्ट्र)

चूं बजरिए इस गजट प्रकाशन के माध्यम से आपको सूचित किया जाता है कि आवेदिका ने आपके विरुद्ध उपरोक्त वाद दाखिल किया है जिसमें आप कोर्ट से सम्मन के द्वारा वो रजिस्ट्री नोटिस के द्वारा सूचना देने के बावजूद भी कोर्ट में उपस्थित नहीं हो रहे हैं। अतः आपको इस गजट प्रकाशन के माध्यम से सूचना दी जाती है कि आप दिनांक 16.9.1.17 को समय 6.30 सुबह बजे कोर्ट में स्वयं उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें। अन्यथा आपके बर खिलाफ एक पक्षीय कार्रवाई की जायेगी। इसे सख्त ताकिद समझें।

मेरे हस्ताक्षर एवं मुहर से दिनांक 18.5.17 को जारी किया गया।

न्यायालय प्रधान न्यायाधीश
कुटुम्ब न्यायालय
मोकाम-आरा,भोजपुर, बिहार

(पृष्ठ 1 का शेष)

ओमकार बिल्डर सीएम के...

क्योंकि मंत्री प्रकाश मेहता उनकी ही पार्टी से आते हैं जो मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस को अपने उपर लगे तमाम आरोपों पर सफाई देने के बदले उन्हें चुनौती दे रहे हैं और बिहार की हालिया सियासी घटना को दोहराने में लगे हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस अपने आप में एक बेदाग स्वच्छ छवि वाले नेता रहे हैं ऐसे में उनसे उम्मीद की जा रही है कि वे मालाड पूर्व के शांताराम तालाब-गार्डेन के पास ओमकार बिल्डर-डेवलपर्स की धांधली और जालसाजी का निष्पक्ष न्याय करेंगे और ओमकार बिल्डर के खिलाफ कडी कार्रवाई का आदेश देंगे।

मालूम हो कि ओमकार बिल्डर-डेवलपर्स के मालिक बाबू लाल वर्मा और गृहनिर्माण मंत्री प्रकाश मेहता के बीच कथित भ्रष्ट रिश्ते को लेकर तरह-तरह की अफवाहों का बाजार गर्म है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ओमकार बिल्डर के मालिक बाबू लाल वर्मा और गृहनिर्माण मंत्री प्रकाश मेहता के बीच संबंध तब बनें जब मालाड पूर्व में शांताराम तालाब-गार्डेन

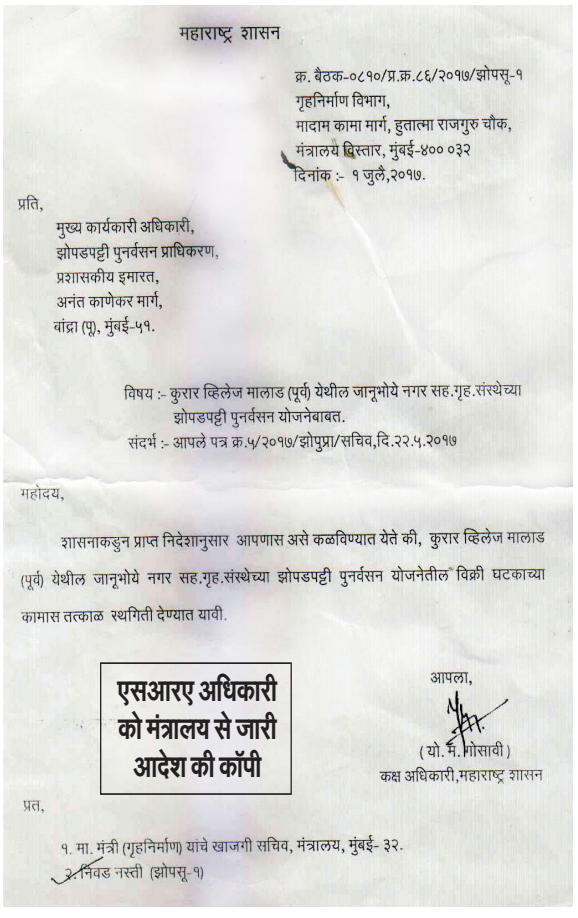

महाराष्ट्र शासन

क्र. बैठक-०८९०/प्र.क्र.८६/२०१७/झोपसू-१
गृहनिर्माण विभाग,
मादाम कामा मार्ग, हुतात्मा राजगुरु चौक,
मंत्रालय विस्तार, मुंबई-४०० ०३२
दिनांक :- १ जुलै,२०१७.

प्रति,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण,
प्रशासकीय इमारत,
अनंत काणेकर मार्ग,
वांद्रा (पू), मुंबई-५१.

विषय :- कुरार व्हिलेज मालाड (पूर्व) येथील जानूभोये नगर सह.गृह.संस्थेच्या झोपडपट्टी पुनर्वसन योजनेबाबत.
संदर्भ :- आपले पत्र क्र.५/२०१७/झोपुप्रा/सचिव,दि.२२.५.२०१७

महोदय,

शासनाकडुन प्राप्त निदेशानुसार आपणास असे कळविण्यात येते की, कुरार व्हिलेज मालाड (पूर्व) येथील जानूभोये नगर सह.गृह.संस्थेच्या झोपडपट्टी पुनर्वसन योजनेतील विक्री घटकाच्या कामास तत्काळ स्थगिती देण्यात यावी.

एसआरए अधिकारी को मंत्रालय से जारी आदेश की कॉपी

आपला,
(यो. मे. गोसावी)
कक्ष अधिकारी,महाराष्ट्र शासन

प्रत,
१. मा. मंत्री (गृहनिर्माण) यांचे खाजगी सचिव, मंत्रालय, मुंबई- ३२.
२. निवड नस्ती (झोपसू-१)

के पास स्थित जानू भोयेनगर के अपने घर से विस्थापित लोगों ने गृहनिर्माण मंत्री प्रकाश मेहता से भेंट की और ओमकार बिल्डर की धोखाधडी की सारी दास्तान उनसे कह सुनाई।

मंत्री प्रकाश मेहता ने उन लोगों को न्याय का भरोसा दिलाकर वापस लौटा दिया। इस बात की जानकारी जब ओमकार बिल्डर के मालिक बाबू लाल वर्मा को हुई तो उसने बिना पल गंवाये तुरंत उनसे जाकर मिला। फिर क्या था। दोनों के बीच एक बडी डील हुई। जिसके बाद महाराष्ट्र सरकार के गृहनिर्माण विभाग की ओर से एसआरए के मुख्य अधिकारी को ओमकार बिल्डर के बांधकाम को रुकवाने के आदेश के बावजूद बाबू लाल वर्मा ने बांधकाम बंद नहीं किया जो आज भी जारी है। लोगों का आरोप है कि इसके लिए बाबू लाल वर्मा अपने मैनेजर राजीव अग्रवाल के जरिए एसआरए के मुख्य अधिकारी को मोटी रिश्वत दी गई, उसके बाद उसने भी काम रुकवाने के आदेश से आंखें फेर ली। अब जब गृहनिर्माण मंत्री प्रकाश मेहता इस मामले में उलझते जा रहे हैं तो उनके खिलाफ एक से एक मामला उजागर हो रहा है। इस बारे में ताडदेव स्थित एमपी मिल मामले में सदन में उनकी खूब फजीहत भी हो चुकी है। अब ओमकार बिल्डर-डेवलपर्स के मालिक बाबू लाल वर्मा और मंत्री प्रकाश मेहता के बीच हुई डील का भी पर्दाफाश होने वाला है, जिसमें बिल्डर के मैनेजर राजीव अग्रवाल की बडी भूमिका सामने आएगी। प्रतिधा करे अगले अंक की। इस बीच ओमकार बिल्डर-डेवलपर्स की ओर से फोन करके इस अखबार को धमकियां भी दी जाने लगी हैं। धमकी में कहा गया है कि मीडिया और शिकायतकर्ताओं को झूठे केस में फंसाकर उन्हें बरबाद कर दिया जायेगा। हम किसी से डरने वाले नहीं हैं।

प्रणब मुखर्जी ने शेयर किया PM मोदी का दिल छू लेने वाला खत

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी हाल ही में पद मुक्त हुए हैं। उन्होंने आज अपने ट्विटर अकांउट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लिखा उन्हें खत शेयर किया है। मुखर्जी ने खत शेयर करते हुए लिखा कि पिछले दिन मुझे पीएम नरेंद्र मोदी की तरफ से लिखा हुआ खत मिला। इस खत ने मेरा दिल छू लिया, इसे मैं आप सब के साथ भी साझा कर रहा हूं। वहीं पीएम मोदी ने प्रणब के ट्वीट पर लिखा कि मैं हमेशा आपके साथ काम करने को तैयार रहूंगा। पीएम मोदी ने खत में लिखा कि अब आप अपनी जिंदगी का नया सफर शुरू करने जा रहे हैं। आपने बड़ी ही खूबी से अपने कार्यकाल के दौरान अपनी जिम्मेदारियां निभाईं। मोदी ने लिखा मैं नया था और केंद्र स्तर पर मुझे कोई अनुभव नहीं था लेकिन प्रणब मुखर्जी के दिशानिर्देश के माध्यम से हम कई चीजें कर सके, जिसे हमने किया।₹ मेरे विदेश दौरे के दौरान यह पूछते हुए आपका एक फोन कॉल आना कि मैं उम्मीद करता हूं कि आप अपने

स्वास्थ्य का ख्याल रख रहे होंगे, मुझे दिनभर चली बैठकों और प्रचार यात्रा के बाद नई ऊर्जा देने के लिए काफी था। उन्होंने कहा कि मुखर्जी के साथ उनकी हर मुलाकात उनके जीवन में मार्गदर्शक की तरह काम करेगा। एक पिता की तरह मुखर्जी ने हर पल मार्गदर्शन किया। पीएम ने लिखा, ₹प्रणब दा के साथ तीन साल काम कर मैं हतप्रभ रहा कि इतने समय सरकार का हिस्सा रहने और फैसले लेने के पद पर रहने के बावजूद उन्होंने मेरी सरकार के फैसलों की न तो कभी आलोचना की और न ही अतीत की सरकारों के साथ उनकी तुलना की। पीएम मोदी ने कहा कि हालांकि वह और राष्ट्रपति दोनों ही बिल्कुल अलग राजनीतिक पृष्ठभूमि से आए हैं और दोनों ही अलग-अलग विचारधाराओं के बीच पले-बढ़े हैं, लेकिन 'प्रणब दा ने मुझे कभी इसका अहसास नहीं होने दिया। आपकी बुद्धिमानी, मार्गदर्शन और स्नेह ने मुझे काफी विश्वास और शक्ति दी। मुखर्जी के बौद्धिक कौशल ने हमेशा मदद की। मोदी ने कहा, आप नेताओं की उस पीढ़ी से ताल्लुक रखते हैं जिनके लिए राजनीति का मतलब बिना किसी स्वार्थ के समाज की सेवा करना है। आप भारत के लोगों के लिए प्रेरणा के बड़े स्रोत हैं। भारत को हमेशा आप पर गर्व रहेगा। बता दें कि 24 जुलाई को मुखर्जी की विदाई पार्टी के समय भी मोदी ने उनकी काफी सराहना की थी। अब रामनाथ कोविंद देश के नए महामहिम हैं। मुखर्जी कांग्रेस पार्टी से रहे हैं लेकिन मोदी सरकार के दौरान भी उनका पीएम मोदी से किसी तरह का मतभेद नहीं रहा है।

मोदी के विदेश दौरों पर राज्यसभा में जमकर बरसे आनंद शर्मा

राज्यसभा में विदेश नीति पर हुई चर्चा के दौरान गुरुवार को कांग्रेस ने पीएम नरेंद्र मोदी के विदेश दौरों और भारत की वर्तमान विदेश नीति की जमकर आलोचना की। डोकलाम में चीन के साथ जारी तनाव, पाकिस्तान और नेपाल के साथ रिश्ते को लेकर कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने मोदी सरकार को घेरा। आनंद शर्मा ने कहा कि पीएम मोदी को संसद में बताना चाहिए कि उनके 65 विदेश दौरों का क्या नतीजा निकला? शर्मा ने कहा, 'पीएम विदेशों के नेताओं से झप्पी डाल कर मिलते हैं। इस सबका फायदा तब है जब कुछ हासिल हो।' शर्मा ने आरोप लगाया कि पीएम ने संसद को अपने एक भी विदेश दौरे की जानकारी नहीं दी। नेपाल और रूस से भारत के रिश्तों के बदलते समीकरण पर भी आनंद शर्मा ने मोदी सरकार पर हमला बोला। मोदी के विदेश दौरों पर अकेले जाने को लेकर कटाक्ष करते हुए आनंद शर्मा ने कहा कि प्रोटोकॉल के तहत प्लेन के लैंड करने के बाद भारतीय राजनयिक पीएम को रिसीव करता है। शर्मा ने ताना मारा, 'पीएम को कैमरे के फ्रेम की चिंता होती है इसलिए अधिकारियों को ऊपर जाकर रिसीव न करने की हिदायत है।' पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि पाकिस्तान को भारत द्वारा अलग-थलग किए जाने के दावे गलत हैं। भारत को इस तरह के दावों से बचना चाहिए।

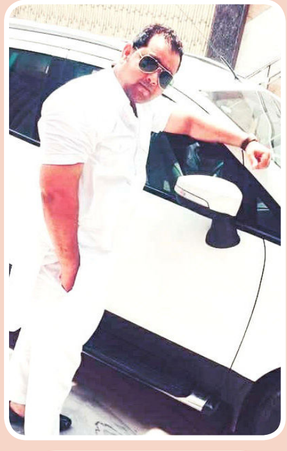

शादाब खान

डाल रखी हैं आज
हमने पैनी नजर
हम में से कौन
इनका लख्ते जिगर
कहना है इनका
दोनों मेरे दिल के टुकड़े
फिर कैसे चूमेंगे साथ
हम दोनों के मुखड़े

पापा को चैलेंज

सामिया

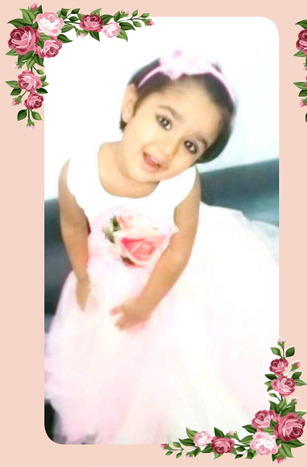

अब्दुल गनी

पाकिस्तान की वेबसाइट पर पोस्ट किया भारतीय राष्ट्रगीत

पाकिस्तान की एक सरकारी वेबसाइट हैक करने का मामला सामने आया है। हैकर्स ने वेबसाइट की सुरक्षा सिस्टम को तोड़कर उसमें भारतीय स्वतंत्रता दिवस से जुड़े संदेश और राष्ट्रगीत पोस्ट कर दिया। पाकिस्तान में आशंका जताई जा रही है कि इसके पीछे भारत के हैकर्स का कोई ग्रुप है। हालांकि इस तरह की पुष्टि सामने नहीं आई है।

चार महीने पहले हैक हुई थी भारतीय वेबसाइट - ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें भारत-पाकिस्तान के कुछ हैकर्स ग्रुप एक-दूसरे के यहां की वेबसाइट हैक करते रहते हैं। बताते चलें कि चार महीने पहले ही भारत की चार प्रतिष्ठित संस्थानों की वेबसाइट हैक की गई थी। इसके पीछे पाकिस्तानी हैकर्स ग्रुप के शामिल होने की बात कही गई। जो संस्थान पाकिस्तान समर्थित हैकर्स का शिकार बने थे उनमें आईआईटी दिल्ली, आईआईटी वाराणसी, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, और दिल्ली यूनिवर्सिटी शामिल थीं। हैकर्स के ग्रुप का नाम 'पाकिस्तान हैकर्स क्रू' था।

चुनाव में नोटा की वैधता को जांचेगा सुप्रीम कोर्ट

चार साल पहले जब सुप्रीम कोर्ट ने चुनावों में नोटा यानी इनमें से कोई नहीं के विकल्प की सौगात जनता को दी थी तो इसे एक क्रांतिकारी कदम बताया गया था। लेकिन, अब सवाल ये उठ रहे हैं कि क्या नोटा भ्रष्टाचार को जन्म दे रहा है। इसी बात को लेकर सुप्रीम कोर्ट ये जांच करेगा की नोटा की संवैधानिक वैधता क्या है। आठ अगस्त को राज्य सभा चुनाव हो रहे हैं। गुजरात में कॉग्रेस पार्टी के कुछ विधायक ये चाहते थे इस चुनाव पर रोक लगा दी जाए और इस बात को देखा जाए की क्या राज्य सभा चुनाव में नोटा के इस्तेमाल को भारत का संविधान इजाजत देता है। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दाखिल की गई। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात कांग्रेस की पहली मांग तो ठुकरा दी। लेकिन, कहा कि भविष्य के लिए राज्य सभा चुनाव में नोटा के इस्तेमाल की समीक्षा की जाएगी।

जनहित याचिका में उठी थी मांग - नोटा के इसतेमाल की मांग एक जनहित याचिका में उठाई गई थी। इस याचिका में कहा गया था कि कई बार वोटर किसी भी प्रत्याशी को पसंद नहीं करता है। लेकिन, मजबूरी में उसे किसी ना कसी को वोट देना पड़ता है। इसलिए एक ऐसा विकल्प होना चाहिए जिसमें जनता सभी प्रत्याशियों को नकार सके। इससे राजनीतिक दलों को भी बेहतर प्रत्याशी लाने पर मजबूर होना पड़ेगा। साल 2013 में इस मांग को सुप्रीम कोर्ट ने स्वीकार कर लिया था। जनवरी 2014 में चुनाव आयोग ने इस बाबत नोटिफीकेशन जारी कर दिया और नवंबर 2015 से इसे सभी चुनाव में इसतेमाल किया जाने लगा। आम चुनाव के लिए तो इसे एक क्रंतिकारी कदम माना गया। लेकिन, अब बात आई है राज्य सभा चुनाव की। राज्य सभा चुनाव में आम जनता वोट नहीं देती बल्कि जनता द्वारा चुने गए

विधायक वोट देते हैं। इन विधायकों को अपनी पार्टी से किसी खास प्रत्याशी को वोट देने का निर्देश जारी होता है। विधायक इस निर्देश को मानने के लिए बाध्य नहीं हैं लेकिन पार्टी अगर चाहे तो उनके खिलाफ कारार्वाही कर सकती है। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में कांग्रेस की तरफ से वकील कपिल सिब्बल ने कोर्ट का ध्यान इसी ओर आकर्षित किया। सिब्बल का कहना था कि अगर नोटा का विकल्प हुआ तो कई विधायक अपनी पार्टी का निर्देश नहीं मानेंगे। वो अपनी पार्टी के खिलाफ भी वोट कर सकते हैं। ऐसे में नोटा का विकल्प हॉर्स ट्रेडिंग यानी विधायकों की खरीद फरोख्त को जन्म देगा। नोटा का विकल्प भ्रष्टाचार को बढ़ावा देगा।

चुनाव आयोग पर सवाल - राज्य सभा चुनाव में वोटिंग बैलेट पेपर से होती है, ईवीएम से नहीं। बैलेट पेपर में वोट को गिने जाने के लिए जरूरी है कि वोटर किसी एक प्रत्याशी को वोट दे। नोटा पर दिया गया वोट नहीं गिना जाता है। सिब्बल का तर्क था कि चुनाव आयोग ने नोटा के विकल्प को बैलेट पेपर पर लाकर नियम में बदलाव कर दिया है। संवैधानिक नियम में बदलाव करने का अधिकार चुनाव आयोग को नहीं बल्कि संसद को है। इसलिए बैलेट पेपर पर मौजूद नोटा गैर संवैधानिक है। सुप्रीम कोर्ट 13 सितंबर से इसी मामले पर सुनवाई करेगा। कोर्ट का जो भी फैसला आएगा वो भविष्य के लिए आएगा। फिलहाल आठ अगस्त को होने वाले चुनाव पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा। सिब्बल ने कोर्ट से बार-बार ये आग्रह किया कि अगर गुजरात में होने वाले राज्य सभा चुनाव को रोका नहीं गया तो इस याचिका का कोई मतलब नहीं रह जाएगा। लेकिन, कोर्ट ने भी ये सवाल उठाया कि कांग्रेस पार्टी ने याचिका दाखिल करने में इतना देरी क्यों की।

शोपियां मुठभेड़ में मेजर और 2 जवान शहीद

कुलगाम में 2 आतंकी ढेर

कश्मीर के कुलगाम जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में आज हिजबुल मुजाहिद्दीन के दो आतंकी मारे गए। इनमें से एक आतंकी मई माह में बैंक के नकदी वाहन पर हमला करने में शामिल था। पुलिस अधिकारी ने आज बताया कि सुरक्षाबलों ने आतंकियों के छिपे होने की खबर मिलने के बाद कल रात कुलगाम जिले के गोपालपुरा गांव में घेराबंदी करके तलाशी अभियान चलाया। उन्होंने बताया कि दोनों ओर से गोलीबारी के बाद दो स्थानीय आतंकी मारे गए। मारे गए आतंकियों की पहचान अकीब हुसैन इट्टू और सोहेल अहमद राठेर के रूप में हुई है। अधिकारी ने बताया कि मारे गए आतंकवादियों में एक आतंकी इसी साल एक मई को बैंक के नकदी वाहन पर हमला करने में शामिल था। इस हमले में पांच पुलिसकर्मी और दो बैंक गार्ड की मौत हो गयी थी। इसके अलावा

वह पिछले माह कुलगाम जिले के यारीपोरा इलाके में एक पुलिस सिपाही की हत्या के मामले में भी शामिल था। सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ स्थल से दो हथियार बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि अभी मामले से जुड़ी विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है।

शोपियां एनकाउंटर में मेजर शहीद
वहीं शोपियां एनकाउंटर में सेना के एक अधिकारी समेत दो सैन्यकर्मी शहीद हो गए व एक अन्य जवान के घायल होने की खबर है। शहीद मेजर का नाम कमलेश पांडे है। कमलेश 62 राष्ट्रीय राइफल्स में तैनात थे। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सेना ने शोपियां जिले के जायपोरा इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद रात को इलाके की घेराबंदी कर एक खोज अभियान शुरू किया था।

कांग्रेस और बीजेपी के बीच राज्यसभा चुनाव को लेकर तू-तू, मैं-मैं

गुजरात के राज्यसभा चुनाव बीजेपी और कांग्रेस के बीच प्रतिष्ठा की लड़ाई बन के रह गए हैं। आए दिन इस चुनाव पर नया टर्न आता है। कांग्रेस चुनाव आयोग से लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटा चुकी है। बीजेपी कांग्रेस पर अंगूर खट्टे होने वाली कहावत लगा रही है। इसी मुद्दे पर कांग्रेस पार्टी की तिलमिलाहट का जवाब देते हुए गुजरात के सांसद दिलीप भाई पांड्या ने कहा कि चुनाव आयोग इनकी सुन रहा है ना उच्च न्यायालय इनको तवज्जो दे रहा है। इसके बावजूद भी यह लोग यह सब नाटक कर रहे हैं क्योंकि यह झूठ है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस का आलम यह है कि वह अपने कुनबे को संभाल नहीं सकते। उसको डर है कि उसके अपने ही लोग टूट कर चले जाएंगे। गुजरात में इतने हालात बदतर हैं, बाढ़ आई हुई है बनासकांठा में और ज्यादातर बनासकांठा के विधायक हैं वह कांग्रेस के हैं। अगर चोर कहीं छुपा होगा तो पुलिस बाहर से फोटो निकालकर जाएगी कि अंदर जाएगी ढूंढने के लिए। यही वजह है कि इनकम टैक्स विभाग भी रिजल्ट

के अंदर गया देखने के लिए कि केशवकुमार वहां है कि नहीं। उनके ऊपर पहले से ही मामला चल रहा था। उसी संदर्भ में इनकम टैक्स विभाग ने वहां पर छापेमारी की। बीजेपी पर पलटवार करते हुए कांग्रेस महासचिव बीके हरिप्रसाद ने कहा कि जेटली को यह जवाब देना होगा कि उन्होंने क्यों राज्यसभा को गलत जानकारी दी। उन्होंने कहा था कि किसी भी गुजरात के विधायक के कमरे के अंदर आयकर विभाग नहीं गया लेकिन सीसीटीवी फुटेज इसके विपरीत बता रहा है कि किस तरह से शक्ति सिंह गोहिल के कमरे में सीआरपीएफ गई। राज्यसभा सीट के लिए सरकार इस स्तर पर गिर आई है। बी के हरिप्रसाद यहीं नहीं रुके उन्होंने कहा कि आयकर विभाग के अधिकारियों ने गुजरात के विधायकों को अच्छी डील भी ऑफर की थी ताकि वह वापस गुजरात चले जाएं।

व्हाइट हाऊस को 'घटिया' बताने की खबर को ट्रंप ने किया खारिज

अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उस खबर को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि उन्होंने व्हाइट हाऊस को 'घटिया जगह' कहा है। मीडिया खबर मुताबिक, मंगलवार को एक वेबसाइट ने एक लेख प्रकाशित किया था,जिसमें ट्रंप द्वारा व्हाइट हाऊस को यह विशेषण दिए जाने पर काफी आपत्तियां खड़ी हो रही हैं। ट्रंप के इस बयान के बाद एकबार फिर यह बहस छिड़ गई कि वह राष्ट्रपति के पद का सम्मान करते भी हैं या नहीं। कुछ लोगों का कहना है कि ट्रंप गलती से राष्ट्रपति बन गए हैं। गोल्फ मैगजीन ने इस हफ्ते के अपने विशेषांक में यह जानकारी दी है। पत्रिका के मुताबिक, हाल ही में ट्रंप ने न्यू जर्सी स्थित अपने क्लब में गोल्फ खेलने के दौरान यह बात कही। ट्रंप ने क्लब के बाकी सदस्यों के सामने कहा, 'मैं यहां बेडमिनस्टर इतनी बार इसलिए आता हूं कि वह व्हाइट हाऊस असल में एक बेकार चीज है।' इसके जवाब में ट्रंप ने ट्विटर पर प्रतिक्रिया दी। ट्रंप ने कल रात ट्वीट कर इन खबरों को खारिज किया। उन्होंने लिखा, 'मैं व्हाइट हाऊस से प्यार करता हूं, मैंने जितनी भी इमारतें देखी हैं, उनमें से यह सबसे सुंदर इमारतों में से एक है। लेकिन झूठी खबरें कहती हैं कि मैंने उसे एक घटिया जगह बताया है,बिल्कुल असत्य।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

देश में 100 पुल कभी भी ढह सकते हैं, तुरंत ध्यान देने की जरूरतः गडकरी

नई दिल्ली। नितिन गडकरी ने लोकसभा में गुरुवार को कहा कि देश के 100 पुल ढहने की कगार पर हैं और इन पर तुरंत ध्यान दिए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि रोड ट्रांसपोर्ट एंड हाईवे मिनिस्ट्री ने देश के 1.6 लाख पुलों का सेफ्टी ऑडिट पूरा कर लिया है। इनमें 100 पुल ऐसे हैं, जो कभी भी ढह सकते हैं। इस दौरान गडकरी ने महाराष्ट्र में पिछले साल हुए एक हादसे का भी जिक्र किया, जिसमें कोंकण इलाके में सावित्री नदी पर बना ब्रिटिशकालीन पुल ढह गया था। इसमें कुछ सरकारी बसें और प्राइवेट वाहन भी बह गई थीं। गडकरी ने सदन में बताया कि मिनिस्ट्री ने पिछले साल एक स्पेशल प्रोजेक्ट लॉन्च किया था। जिसके जरिए देशभर के पुलों और पुलिया के बारे में जानकारी इकट्ठा की गई। सरकार ने ये कदम हादसे रोकने के लिए उठाया। रोड प्रोजेक्ट्स में हो रही देरी पर गडकरी ने कहा,

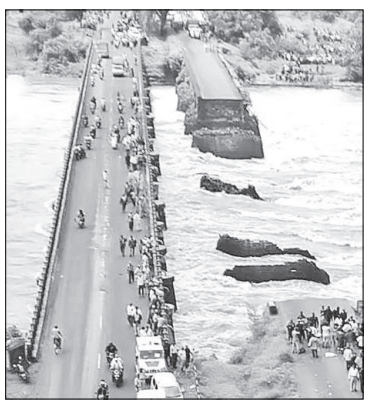

इसके पीछे वजह भूमि अधिग्रहण, अतिक्रमण और इन्वॉरमेंट क्लीयरेंस हैं। 3.85 लाख करोड़ के रोड प्रोजेक्ट्स कई कारणों के चलते लेट हुए। इनमें से ज्यादातर को सुलझा लिया है और काम भी शुरू हो गया है।

एनएचएआई में 7.5 करोड़ रुपए की घूस देने की जांच होगी :

गडकरी ने कहा, नेशलन हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) के अधिकारियों को एक अमेरिकन फर्म की ओर से 1.18 मिलियन डॉलर यानी करीब 7.5 करोड़ रुपए की घूस दिए जाने के मामले की सरकार जांच शुरू कर रही है। मीडिया में सामने आया था कि सीडीएम स्मिथ और सीडीएम इंडिया में काम करने वाले लोगों और एजेंट्स ने हाईवे कंस्ट्रक्शन सुपरविजन एंड डिजाइन कॉन्ट्रैक्ट्स हासिल करने के लिए सरकारी अफसरों को ये घूस दी थी। मीडिया की ये रिपोर्ट यूएस डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस की क्रिमिनल डिवीजन की ओर से 21 जून 2017 को भेजे गए लेटर के आधार पर थी। ये लेटर डिपार्टमेंट की वेबसाइट पर भी मौजूद है।

क्या कदम उठाया मिनिस्ट्री ने? :

गडकरी ने कहा, जिस फर्म का नाम लिया जा रहा है, उसे और उससे जुड़े लोगों को दिए गए कंस्लटेंसी असाइनमेंट की लिस्ट बनाई गई है। मिनिस्ट्री ने इस मामले को एक्सटर्नल अफेयर्स मिनिस्ट्री और अमेरिका में इंडियन एम्बेसीको भी भेजा है, ताकि यूएस डिपार्टमेंट ऑफ जस्टिस से वो कागजात हासिल किए जा सकें, जो उन्होंने जांच के दौरान जुटाए थे। एनएचएआई ने उस फर्म को 2015 में 3 महीने के लिए प्रोजेक्ट में बिडिंग और इंगेजमेंट के लिए रोक लगा दी थी। इस फर्म को लोन असाइनमेंट दिए जाने के मामले में एनएचएआईडीसीएल ने फर्म पर इस साल दो साल के लिए रोक लगा दी है। सेंट्रल विजिलेंस कमीशन ने स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनाई है। इसमें तीन अफसर शामिल हैं, जो जांच के बाद रिपोर्ट कमीशन को सौंपेंगे।

क्या है मामला? :

यूएस डिपार्टमेंट के लेटर में कहा गया. करीब 2011 से 2015 के बीच सीडीएम स्मिथ की डिवीजंस ने इंडिया में ऑपरेशन किए। सीडीएम इंडिया ने अवैध तरीके से एनएचएआई के अधिकारियों को घूस दी ताकि कॉन्ट्रैक्ट हासिल किया जा सके। घूस कॉन्ट्रैक्ट प्राइज का करीब 2-4% थी और इसे फर्जी सब कॉन्ट्रैक्टर्स के जरिए दिया गया, जिन्होंने कोई भी काम नहीं किया। इस पेमेंट ने पूरी तरह अधिकारियों को फायदा पहुंचाया।

योगी का फरमान
डीएम-एसपी चेहरा देखकर न करें काम

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ डीएम और एसपी के कार्यों से संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने साफ कह दिया कि राजनीतिक हस्तक्षेप न होने के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं मिल रहा है। कहा कि 'थाना, ब्लाक और तहसील स्तर की समस्याओं को संपूर्ण समाधान दिवस में निपटाएं। चेहरा देखकर काम न करें। जो सही हो उसे करें और आमजन के कार्यों को प्राथमिकता दें। मुख्यमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये प्रदेश के सभी जिलों के डीएम, एसपी, सीडीओ, रेंज डीआइजी व आइजी, मंडलायुक्त और एडीजी जोन के साथ समीक्षा कर रहे थे। इस दौरान मुख्य सचिव राजीव कुमार, प्रमुख सचिव गृह अरविंद कुमार और डीजीपी सुलखान सिंह समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। योगी ने अपनी बात शुरू की तो बोले 'भ्रष्टाचार पर जीरो टालरेंस सरकार की प्राथमिकता है। इस नीति का पालन हो। जिलों में अगर कहीं भी शिकायत मिल रही है तो अपने स्तर से कार्रवाई करें। अगर शासन स्तर का मामला है तो तत्काल तथ्यों से शासन को अवगत कराएं। भ्रष्टाचार की अनदेखी बर्दाश्त नहीं होगी। कार्रवाई न करने वाले अफसर भी नपेंगे।

भदोही के पूर्व सीडीओ होंगे निलंबित

भदोही जिले से शौचालय निर्माण के मामले में अनियमितता की शिकायत आई थी। इस पर मुख्यमंत्री ने जवाब मांगा तो सीडीओ समेत अफसरों ने सफाई देनी शुरू कर दी। मुख्यमंत्री को बताया गया कि पूर्व सीडीओ की ओर से शासन को गलत सूचना दी गई। इस पर योगी नाराज हो गए। शासन को गलत सूचना देने पर उन्होंने त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। संकेत मिल रहे हैं कि भदोही के पूर्व सीडीओ को निलंबित किया जाएगा।

विधान भवन में विस्फोटक मिलने पर कांग्रेस ने मांगा सीएम योगी से इस्तीफा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल सत्र के दौरान विधान भवन में विस्फोटक मिलने पर कांग्रेस काफी मुखर है। कांग्रेस के विधान परिषद सदस्य दीपक सिंह ने इस गंभीर प्रकरण पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का इस्तीफा मांगा है। दीपक सिंह ने आरोप लगाया कि प्रदेश के विधान भवन में विस्फोटक मिलने के प्रकरण पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गलत बयानी की है। उनको अपनी इस गलतबयानी पर अब तो नैतिकता के आधार पर त्यागपत्र दे देना चाहिए। विधान परिषद सदस्य के साथ ही दीपक सिंह उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश महासचिव व फ्रंटल संगठन प्रभारी भी है। दीपक सिंह ने आज पत्रकार वार्ता में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर प्रदेश की 22 करोड़ जनता को गुमराह करने व दहशत फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विधान भवन में विस्फोटक मिलने के बाद भी योगी आदित्यनाथ ने गलतबयानी कर प्रदेश की 22 करोड़ जनता को गुमराह किया है। प्रदेश में अपराध चरम पर है, लेकिन सरकार हाथ बांधे बैठी है।

शिक्षा विभाग का बड़ा फैसला- 50 से अधिक उम्र वाले शिक्षकों की होगी छुट्टी

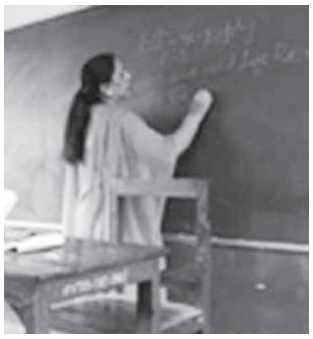

पटना। बिहार सरकार ने एक बड़ा फैसला लेते हुए यह घोषणा किया है कि 50 से अधिक उम्र वाले शिक्षकों और अधिकारियों को रिटायर किया जायेगा। उन्हें अनिवार्य रूप से सेवानिवृति दी जायेगी। सीएम नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुए बैठक में शिक्षा विभाग ने बड़ा फैसला लेते हुए घोषणा किया कि जिन स्कूलों में एक भी बच्चे पास नहीं हुए या रिजल्ट मात्र पांच प्रतिशत हुआ है, वहां कार्यरत पचास से अधिक उम्र के शिक्षकों को सरकार अनिवार्य सेवानिवृति देगी। शिक्षा विभाग के मुख्य सचिव ने बताया कि बिहार के शिक्षा व्यवस्था को सुधारने के लिए कई तरह के फैसले लिये गये हैं। कहा कि जो शिक्षक तीन बार पात्रता परीक्षा में फेल हो गये हैं, उन्हें भी हटाया जायेगा। साथ ही जिन जिलों का रिजल्ट खराब हुआ है, वहां के डीईओ पर भी कार्रवाई की जायेगी।

स्टेशन पर खड़ी ट्रेन के डिब्बे में लगी भीषण आग

पटना। सोनपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर चार पर खड़ी ट्रेन की बोगी में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गयी। आनन-फानन में मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। आग की लपटें काफी भयानक थी। अभी तक आग लगने के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। वहीं इस मामले में डीआरएम ने कहा है कि मामले की जांच की जायेगी। बताया जा रहा है कि स्टेशन पर गुरुवार की सुबह स्टेशन पर खड़ी ट्रेन की एक बोगी में अचानक ट्रेन की बोगियों में धुआं देखकर स्टेशन पर अफरा-तफरी मच गयी और लोग इधर-उधर भागने लगे। प्लेटफार्म नंबर चार पर खड़ी इन चार बोगियों को इंजीनियरिंग विभाग का बताया जा रहा है।

स्कूल से घर लौट रहे छात्र की बेरहमी से पिटाई

मुजफ्फरपुर। मोतीपुर प्रखंड के हरदी उच्च विद्यायल में बुधवार एक शिक्षक द्वारा क्लास से बाहर घूम रहे छात्र को फटकार लगाना दूसरे छात्र शिवम को महंगा पड़ गया। इससे गुस्साए दर्जन भर लोगों ने घर लौटने के दौरान शिवम की बेरहमी से पिटाई कर दी। जब उसके परिजन मारपीट करने वाले युवकों से पूछताछ करने पहुंचे तो उनलोगों को भी धारदार हथियार से हमला कर जख्मी कर दिया। इनमें जैतपुर ओपी क्षेत्र के बंगरा रबी निवासी शिवम कुमार के पिता अनिल सिंह, मनोज सिंह, मोनू कुमार सिंह गंभीर रूप से जख्मी हो गए, जिन्हें कथैया पुलिस ने पीएचसी में भर्ती कराया। इस बाबत कथैया थाने में शिवम कुमार के बयान पर हरदी निवासी विशाल नट, संतोष कुमार, कवींद्र कुमार, सनी सहित दर्जन भर लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। बताया गया कि हरदी उच्च विद्यालय में पठन-पाठन चल रहा था। इस दौरान विशाल नट नामक छात्र क्लास के बाहर घूम रहा था। एक शिक्षक ने शिवम को विशाल नट को बुलाने को कहा। शिवम ने ऐसा ही किया। विशाल नट को शिक्षक ने डाटा। इससे वह आक्रोशित हो गया और शिवम को देख लेने की धमकी दी। स्कूल में छुट्टी होने के बाद शिवम अपने घर बंगरा रवि जा रहा था।

ये हैं भारत के सबसे खूबसूरत गुरूद्वार एक बार जरूर करें सैर

भारत में घूमने लायक बहुत-सी जगहें हैं। ज्यादातर लोग हिल स्टेशन या बीच वाले शहरों में ही घूमना पसंद करते हैं लेकिन यहां कई गुरूद्वारे भी हैं जो बहुत ही खूबसूरत हैं और यहां एक बार घूमने के लिए जरूर जाना चाहिए। भारत में कुल 200 गुरूद्वारे हैं और सबका अपना इतिहास है। वैसे तो सभी गुरूद्वारे बहुत ही सुंदर है लेकिन आज हम कुछ खास गुरूद्वारों के बारे में जानेंगे।

1. गुरुद्वारा हरमिंदर साहिब सिंह, पंजाब

यह गुरूद्वारा पंजाब के अमृतसर शहर में है और इसे श्री दरबार साहिब व स्वर्ण मंदिर भी कहा जाता है। जलियांवाला हत्याकांड के बाद महाराणा रणजीत सिंह ने इस गुरूद्वारे की इमारत को बचाने के लिए इसका ऊपरी हिस्सा सोने का बनवा दिया था, इसी वजह से इसे स्वर्ण मंदिर भी कहा जाता है।

2. गुरुद्वारा श्री हेमकुन्ट साहिब, उत्तराखंड

उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित यह गुरूद्वारा समुद्र तट से 4000 मीटर की ऊंचाई पर है और यहां सर्दियों में बहुत ही बर्फ पड़ती है। इसी वजह से अक्टूबर से लेकर अप्रैल तक यहां रास्ता बंद रहता है। श्री हेमकुंट साहिब अपनी वास्तुकला के लिए बहुत ही प्रसिद्ध है।

3. गुरुद्वारा श्री केस्धर साहिब, पंजाब

यह गुरूद्वारा पंजाब के आंनदपुर शहर में स्थित है जिसे सिक्खों के 9वें गुरू तेग बहादुर ने स्थापित किया था। यह गुरूद्वारा 5 तख्तों में से एक है जिस वजह से यहां की अहमियत काफी ज्यादा है।

4. तखत सचखंड श्री हजूर साहिब अब्चालनगर साहिब गुरुद्वारा, महाराष्ट्र

इस गुरूद्वारे को भी 5 तख्तों में से एक माना जाता है। महाराष्ट्र के नांदेड़ में स्थित इस जगह पर गुरू गोबिंद सिंह जी ने अपनी आखिरी सांस ली थी और इसी जगह पर 1832 में महाराणा रणजीत सिंह ने इस गुरूद्वारे का निर्माण करवाया।

5. गुरुद्वारा मंडी, हिमाचल प्रदेश

यह गुरूद्वारा हिमाचल प्रदेश के मंडी में स्थित है। इस गुरूद्वारे का पूरा नाम गुरू गोबिंद सिंह जी है। पूरे सिक्ख सम्प्रदाय में इसकी काफी मान्यता है।

बंद आंखों से 15 साल का यह बच्चा करता है हैरतअंगेज काम

गुजरात के भावनगर में रहने वाले 15 वर्षीय जीत त्रिवेदी अपने एक हैरतअंगेज कारनामे को लेकर अक्सर चर्चा में रहते हैं। वह सोशल मीडिया पर भी अक्सर छाए रहते हैं। जीत त्रिवेदी वैसे तो सामान्य बच्चों की तरह है लेकिन आंखों के मामले में वह सबसे अलग हैं। वह बंद आंखों से सारे काम करते हैं। आपको जानकर हैरानी होगी जीत आंखों पर पट्टी बांधकर आसानी से लखिते पढ़ते और खूबसूरत पेंटिंग करते है। इतना ही नहीं वह आंखों में पट्टी बांधकर गाड़ी चलाते, सुई में धागा डालते और शतरंज भी खेलते हैं। जिससे अक्सर लोग कहते हैं भगवान ने इन्हें आंखे नहीं बल्कि एक्स रे दिया है। तभी वह बंद आंखों से ये काम काफी अच्छे से कर लेते हैं। जीत लेह से खार दुंग ला तक करीब 40 किलोमीटर ब्लाइंड फोल्डेड स्कूटर चला कर भी एक शानदार रिकॉर्ड बना चुके हैं। वहीं जीत के इस कारनामे को देखने के लिए अक्सर उनके घर पर लोगों की भीड़ रहती है। जीत के परजिन कहते हैं कि उनका बेटा बचपन से ही ऐसे कारनामे करने का शौकीन है। वहीं जीत के टीचर भरत पटेल का कहना है कि यह सब वह अलग-अलग तरह की एक्सरसाइज की वजह से कर पा रहे हैं। एक्सरसाइज की वजह से वह आंखों पर पट्टी बांधकर भी सामने होने वाली हलचल और चीजों के बारे में आसानी से जान लेते हैं। वह इन चीजों को बड़े मजे से करता है।

रास्ते में पड़ी नवजात बच्ची की कुत्तों ने बचाई जान

कहते हैं कुत्ता सबसे वफादार जानवर होता है। साथ ही समझदार भी। इसका एक ताजा उदाहरण देखने को मिला कोलकाता में। जहां कुछ कुत्तों ने मिलकर एक नवजात बच्ची की जान बचा ली। खबरों की मानें तो यहां के हावड़ा स्टेशन पर नवजात बच्ची कपड़े मे लिपटी पड़ी थी। वहां से कई लोग गुजर रहे थे लेकिन किसी का भी ध्यान बच्ची

पर नहीं पड़ा। तभी वहां कुत्तों का एक झुंड आ गया। वे पहले बच्ची को खींचकर बाहर लाए और उसके आसपास घेरा बना लिया।

रेलवे कर्मियों ने पहुंचाया अस्पताल - ये कुत्ते मदद की आस में काफी देर तक बच्ची के आसपास खड़े रहे। लेकिन लोगों की भीड़ आती रही, जाती रही। किसी ने बच्ची को उठाने की जरूरत नहीं समझी। आखिर में एक आरपीएफ जवान की नजर वहां पड़ी। उसने कुत्ते को जमा देख रेलवे कर्मियों को बुलाया।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
जोखिम न लें। चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। लाभ के अवसर टलेंगे।

सिंह
जोखिम व जमानत के कार्य टालें। राजकीय बाधा आ सकती है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। बुरी सूचना मिलेगी।

धनु
स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। विवाद न करें। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा। दूसरों की जमानत न लें। हानि होगी।

वृष
राजकीय सहयोग मिलेगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। धनलाभ होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें।

कन्या
यश मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। धनहानि संभव है। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मकर
परिवार की चिंता रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। यात्रा सफल रहेगी।

मिथुन
संपत्ति के बड़े सौदे हो सकते हैं। परीक्षा आदि में सफलता मिलेगी। बिगड़े काम बनेंगे। लाभ होगा।

तुला
धनलाभ होगा। स्वाभिमान रहेगा। शुभ सूचना से प्रसन्नता बढ़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। जोखिम न लें।

कुंभ
नई योजना बनेगी। कार्यपद्धति में सुधार होगा। सम्मान मिलेगा। धनलाभ होगा। जल्दबाजी न करें।

कर्क
यात्रा मनोरंजक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। पुराना रोग उभर सकता है। धन प्राप्ति सुगम होगी।

वृश्चिक
भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विवाद से बचें।

मीन
तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। संतान की चिंता रहेगी। बाधा दूर होगी। बाहरी सहायता मिलेगी।

रहस्यमयी गांव, जहां से कोई भी नहीं आता जिंदा वापस!

कई लोगों को भूतिया जगह की कहानियां सुनने का शौक होता हैं। वहीं, कुछ लोग भूत का नाम सुनते ही डर जाते हैं। आपने सुना होगा कि कुछ ऐसी जगहें होती हैं जहां से लोग वापिस नहीं आते। आज हम आपको एक ऐसे गांव के बारे में बताने जा रहे है जहां से कभी भी कोई वापिस लौट कर नहीं आया। हम बात कर रहे है रूस के गांव की।

इस जगह को सिटी ऑफ डेड भी कहा जाता है। रूस के उत्तरी ओस्सेटिया में स्थित दर्गाव्स में सिर्फ मरे हुए लोग रहते हैं। यहां पर अनगिनत झोपड़ियां हैं। वैसे यह गांव बहुत ही सुंदर है लेकिन लोग डर के मारे यहां जाना पसंद नहीं करते। कहा जाता है कि यहां के लोग अपने रिश्तेदारों के मृत शरीर को झोपड़ियों में रखते हैं।

इस गांव में कुछ घर 4 मंजिल के भी है। यहां के हर घरों पर मृत शरीर को दफनाया गया है। गांव में करीब 99 घर हैं जो सभी घरों में मृत शरीर को दफनाया गया है। स्थानीय लोगों का मानना है कि जो लोग इन घरों में एक बार वह वापिस नहीं आता। इसके अलावा मौसम के कारण भी यहां आना थोड़ा मुश्किल है।

लोगों का मानना है कि 18वीं शताब्दी में जो लोग यहां रहते थे वो अपने परिवार में बीमार लोगों को रखते थे और उनकी देखभाल करते थे लेकिन बीमार शख्स अपने तक घर में ही रहता था। इस जगह पर समय-समय पर शोध होते रहते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

खाली पेट पीएं किशमिश का पानी और फिर देखें कमाल

भागदौड़ भरी इस जिंदगी में लोगों को कोई न कोई शारीरिक समस्याएं लगी ही रहती हैं। ऐसे में वे कई तरह की दवाओं का सेवन करते हैं। इसके अलावा शरीर को स्वस्थ रखने के लिए डॉक्टर उन्हें पोष्टिक आहार और खूब पानी पीने की सलाह देते हैं। वैसे तो खाली पेट पानी पीना शरीर के लिए काफी फायदेमंद होता है लेकिन अगर पानी में किशमिश भिगोकर उसका सेवन किया जाए तो वह शरीर को दोगुना फायदा पहुंचाता है। आइए जानिए इसके फायदे और बनाने का तरीका

किशमिश का पानी बनाने का तरीका

किशमिश में मौजूद विटामिन्स और मिनरल्स शरीर के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसके लिए 1 कप पानी में मुट्ठी भर किशमिश डालकर रात भर भिगो कर रख दें। सुबह इस पानी को हल्का गुनगुना करके खाली पेट पी लें और किशमिश को खा लें।

फायदे

1. कब्ज

अच्छी डाइट न लेने की वजह से आजकल काफी लोगों को कब्ज की समस्या होती है। ऐसे में रोजाना सुबह इस पानी का सेवन करने से पेट साफ हो जाता है और कुछ ही दिनों में कब्ज की समस्या से हमेशा के लिए राहत मिलती है।

2. एसिडिटी

जिन लोगों को एसिडिटी की समस्या होती है, उन्हें भी इस पानी का सेवन जरूर करना चाहिए। इसमें मौजूद फाइबर्स पेट की सफाई करके गैस से छुटकारा दिलाते हैं।

3. किडनी

किशमिश में काफी मात्रा में पोटेशियम और मैग्नीशियम पाए जाते हैं। ऐसे में रोजाना इस पानी का सेवन करने से शरीर के विषैले पदार्थ बाहर निकलते हैं और किडनी स्वस्थ रहती है।

4. खून की कमी

जिन लोगों के शरीर में खून की कमी होती है उनके लिए यह पानी बहुत फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद आयरन और कॉपर शरीर में खून की कमी को दूर करते हैं।

5. कैंसर

इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडैंट शरीर के सेल्स को स्वस्थ बनाते हैं जिससे कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से भी निजात मिल सकती है।

6. सर्दी-जुकाम

मौसम के बदलने के साथ ही सर्दी-जुकाम जैसी समस्या हो जाती है। ऐसे में रोजाना किशमिश वाला पानी पीने से फ्लू और इंफैक्शन से बचा जा सकता है।

7. थकान और कमजोरी

सारा दिन कामकाज की वजह से थकान होना आम बात है। ऐसे में हर रोज सुबह इस पानी का सेवन करने से शारीरिक कमजोरी और थकान दूर होती है।

8. वजन कम करे

किशमिश का पानी पीने से शरीर का मेटाबॉलिज्म बढ़ता है जिससे मोटापा कम होता है।

आसपास नहीं फटकेगा डेंगू का मच्छर, अपनाएं ये उपाय

बरसात होते ही मच्छर अपना आतंक फैलाना शुरू कर देते हैं और इनकी इंफैक्शन से डेंगू जैसी खरतनाक बीमारियां पनपने लगती है। जो बाद में परेशानी का सबसे बड़ा कारण बनती हैं। ऐसे में बहुत जरूरी है अपनी और परिवार की सेहत का ख्याल रखना। अगर अपने आस-पास हम साफ-सफाई रखें,जिससे मच्छर पैदा ही न हो तो डेंगू फैलने का डर भी नहीं रहेगा।

नीम का तेल

इसकी खूशबू से मच्छर भाग जाते हैं। घर के हर खिड़की और दरवाजे पर नीम का लगा दें। इस तेल का दीया जलाने से भी मच्छर भाग जाते हैं।

तुलसी के पत्ते

तुलसी बहुत गुणकारी है। यह हर तरह की इंफैक्शन को दूर करने का काम करती है। रोजाना एक कप पानी में तुलसी की 4-5 पत्तियां उबाल कर पीएं। इससे मच्छरों के काटने से इंफैक्शन नहीं होती।

लहसून

लहसून की खुशबू से मच्छर घर में टिक नहीं पाते। लहसून के कली को खिडकियों और दरवाजों के पास रख दें। इससे फायदा होगा।

कपूर

घर में मच्छरों का आतंक है तो कमरों में कपूर जलाकर 20 मिनट के लिए दरवाजे,खिड़कियां बंद करके खुद बाहर आ जाएं। बाद में कमरा खोल लें। सारे मच्छर मर जाएंगे।

पपीता

पपीता का रस डेंगू के इंफैक्शन से बचाव रखता है। इसके लिए पपीते के पत्तों का रस दिन में दो बार 2-3 चम्मच पीएं।

लेमन बाम

आंगन में लेमन बाम का पौधा लगाने से मच्छर घर में नहीं घुसेंगे। आप इसके पत्ते कमरे में भी रख सकते हैं।

प्याज

प्याज के छिलकों को पानी में डालकर 10-12 घंटे ऐसे ही रखें और बाद में दरवाजों के आस-पास इसका छिड़काव करें।

फटी एड़ियों को फिर से कोमल बनाते हैं ये असरदार नुस्खे

भागदौड़ भरी इस जिंदगी में महिलाओं के पास अपना ख्याल रखने का समय नहीं होता। वे रोजाना में अपने चेहरे का मेकअप तो कर लेती हैं लेकिन पैरों की सही देखभाल नहीं कर पाती। जिस वजह से उनके पैरों की एड़ियां फट जाती हैं और उनमें दरारें पड़ जाती हैं। इसके अलावा नंगे पैर चलने और गीलेपन की वजह से भी पैर खराब हो जाते हैं। फटी एड़ियां देखने में तो बदसूरत लगती ही हैं साथ में इनमें दर्द भी होने लगता है। वैसे तो मार्किट में कई तरह की क्रीम,लोशन मिल जाते हैं लेकिन इनसे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। ऐसे में कुछ आसान घरेलू उपाय करके फटी एड़ियों से निजात पाई जा सकती है। आइए जानिए ऐसे ही कुछ नुस्खों के बारे में

वनस्पति तेल

फटी एड़ियों को ठीक करने के लिए वनस्पति तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले पैरों को अच्छी तरह साबुन से धो लें और स्क्रब करें। अब इन्हें तौलिए से पौंछ कर एड़ियों पर तेल लगाएं और मौजे पहन लें। यह प्रक्रिया रात को सोने से पहले करें। सुबह आपकी एड़ियां काफी कोमल हो जाएंगी। इसके अलावा नारियल या जैतून के तेल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

चावल का आटा

इसके लिए 2 चम्मच चावल के आटे में 1 चम्मच शहद और 2 चम्मच जैतून का तेल मिलाकर पेस्ट तैयार करें। अब इसे एड़ियों पर लगाकर स्क्रबर की तरह इस्तेमाल करें और सूखने के बाद पैरों को धो लें। हफ्ते में 2-3 बार इस लेप का इस्तेमाल करने से एड़ियां कोमल होंगी और ड्राइनेस भी दूर होगी।

नीम

एड़ियां फटने के साथ ही उनमें खुजली भी होने लगती है। ऐसे में एक कटोरी नीम की पत्तियों को पीस कर उसमें 3 चम्मच हल्दी मिलाकर एड़ियों पर लगा लें। 2 घंटे लगाने के बाद पैरों को धो लें और अच्छे से पौंछ लें।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

लोकेश राहुल ने किया कमाल

नई दिल्ली। श्रीलंका और भारत के बीच कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में ओपनिंग बल्लेबाज के. एल. राहुल ने अर्धशतक जमाकर अपना नाम दिग्गज खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल करवा लिया। ये राहुल के टेस्ट करियर की 08 हॉफ सेंचुरी रही। इस अर्धशतक को जमाते ही राहुल ने अपने नाम एक ऐसी उपलब्धि दर्ज कर ली, जो वर्ल्ड क्रिकेट में कम ही खिलाड़ी कर पाते हैं। ये हॉफ सेंचुरी भले ही राहुल के टेस्ट करियर की 8वीं फिफ्टी हो, लेकिन मजे की बात ये है कि इसमें से 6 अर्धशतक तो उन्होंने लगातार लगाए हैं। पिछली 6 टेस्ट पारियों में वो हर बार पचास का आंकड़ा छू रहे हैं। इस पारी में फिफ्टी लगाते ही उन्होंने लगातार छठी हॉफ सेंचुरी लगाने का कमाल कर दिखाया। इसी के साथ वो राहुल द्रविड़ और गुंडप्पा विश्वनाथ के साथ ये कमाल करने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी भी बन गए। इसमें मजेदार बात ये है कि ये तीनों ही धुरंधर खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट में कर्नाटक की टीम से खेलते रहे हैं। इस पारी में लोकेश राहुल ने 82 गेंदों का सामना किया और 57 रन बनाकर रन आउट हो गए। उनके बल्ले से 7 चौके निकले, लेकिन एक रन चुराने की कोशिश में राहुल और पुजारा के बीच तालमेल की कमी रह गई और उन्होंने अपना विकेट गंवा दिया।

पिछले मैच में नहीं खेल पाए थे लोकेश

लोकेश राहुल गॉल में खेले गए पहले टेस्ट मैच में वायरल बुखार के चलते शिरकत नहीं कर पाए थे। राहुल के स्थान पर अभिनव मुकुंद को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया था, लेकिन कोलंबो टेस्ट में जैसे ही उन्हें एक बार फिर से मैदान पर उतरने का मौका मिला, उन्होंने श्रीलंकाई गेंदबाजों की खबर लेते हुए अर्धशतक जमाने के साथ-साथ ये बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम दर्ज करा ली।

अब महिला क्रिकेट टीम पर ट्वीट कर फंसी शोभा डे

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम भले ही आईसीसी विश्व कप 2017 का खिताब नहीं जीत पाई हो, लेकिन अपने शानदार प्रदर्शन के बलबूते 'मिताली सेना' सुर्खियों में जरूर आ गई है। देश में हर शख्स महिला क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों की तारीफों के पुल बांध रहा है। ऐसे में अपने बयानों और ट्वीटों से चर्चा में रहने वाली मशहूर लेखिका शोभा डे ने भी महिला खिलाड़ियों को एक सलाह दी है। अपनी इस सलाह के बाद शोभा भी चर्चा में आ गई हैं और इसके साथ ही वे ट्विटर पर ट्रोलर्स के निशाने पर भी आ गईं। बता दें कि महिला टीम अभी हाल ही में क्रिकेट वर्ल्ड कप खेलकर स्वदेश लौटी है। टीम बहुत कम अंतर से वर्ल्ड कप जीतने से चूक गई थी। भारतीय टीम को खिताबी मुकाबले में इंग्लैंड ने 9 रन से हरा दिया था। टीम भले ही खिताब जीतने से चूक गई थी, लेकिन पूरे देश में उसके प्रयासों को सराहना मिली थी। ऐसे में शोभा की ये सलाह लोगों को पसंद नहीं आई है और उन्होंने जमकर उन्हें खरी-खोटी सुनाई। दरअसल, शोभा ने महिला क्रिकेट टीम को एक सलाह देते हुए एक ट्वीट किया। उन्होंने ट्वीट किया था, 'हे भगवान, कृपया कर हमारी होनहार महिला क्रिकेटरों को व्यावसायीकरण और लालच से बचाएं, जिसकी वजह से हमारे ज्यादातर पुरुष क्रिकेटर बर्बाद हो गए हैं'। इसके बाद शोभा को यूजर्स ने जमकर ट्रोल किया। यूजर्स ने लिखा, अगर महिला क्रिकेटर अपने स्टारडम से फायदा उठाती हैं तो इसमें क्या बुरा है। एक अन्य यूजर ने प्रतिक्रिया दी, ये महिला क्रिकेटरों से ईर्ष्या करती हैं, लेकिन जताना ऐसा चाह रही हैं जैसे वो इनका भला चाहती हों।

कोहली ने दुनिया के तेज धावक उसेन बोल्ट को दिया खास ऑफर

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे तेज धावक उसेन बोल्ट शुक्रवार को लंदन में शुरू होने वाली आईएएएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में आखिरी बार ट्रैक पर दौड़ते नजर आएंगे। छह ओलंपिक स्वर्ण और 11 विश्व खिताब जीत चुके बोल्ट को दुनियाभर से उनकी आखिरी प्रोफेशनल दौड़ के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं। इसी बीच भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली ने भी उन्हें शुभकामनाएं देते हुए खास ऑफर दिया। कोहली ने उन्हें अपने साथ क्रिकेट खेलने के लिए कहा है। कोहली ने ट्विटर पर

वीडियो अपलोड करते हुए बोल्ट से कहा कि मैं जानता हूं कि यह आपकी आखिरी दौड़ है और हम सभी को ट्रैक पर आपकी कमी खलेगी। इस आखिरी दौड़ और उसके बाद के लिए आपको हमारी शुभकामनाएं। यदि आप कभी क्रिकेट खेलना चाहते हैं तो आपको पता है कि मैं कहां मिलूंगा। बीजिंग ओलंपिक 2008 में दोहरे व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने के बाद से बोल्ट का फार्टा दौड़ में दबदबा रहा है।

उन्होंने बर्लिन में 2009 विश्व चैंपियनशिप में 100 और 200 मीटर का खिताब क्रमश 9.58 और 19.19 सेकंड में जीतने वाले बोल्ट ने 2011, 2013, 2015 में 100, 200 और चार गुणा 100 मीटर रिले खिताब जीते। विराट कोहली और उसैन बोल्ट, दोनों ही पूमा के ब्रांडएम्बेसेडर हैं।

25 वर्ष की मेहनत का परिणाम है अर्जुन पुरस्कार : प्रशांति सिंह

वाराणसी। देश में महिला बास्केटबाल को अलग पहचान देने वाली वाराणसी के सिंह सिस्टर्स में से एक प्रशांति ने आज अपने शहर तथा खेल को अलग पहचान दे दी है। पांच सिंह सिस्टर्स में से एक प्रशांति का नाम आज खेल के क्षेत्र में मिलने वाले देश के बड़े सम्मान अर्जुन पुरस्कार की सूची में शामिल किया गया है। अर्जुन पुरस्कार के लिए चयनित वाराणसी की बास्केटबॉल खिलाड़ी प्रशांति सिंह ने कहा कि अर्जुन पुरस्कार की सूची में नाम आने के बाद से उनके परिवार को पहचान मिल गई।

यह परिवार के 25 वर्षों की मेहनत, समर्पण और त्याग का परिणाम है। यह पुरस्कार तो काशी की माटी का कमाल है, काशी के लोगों का आशीर्वाद है। प्रशांति सिंह बनारस के सिंह सिस्टर्स घराने की पांच बहनों में ऊपर से तीसरी हैं। पांचों बहनें क्रमशः प्रियंका, दिव्या, प्रशांति , प्रतिभा और आकांक्षा बास्केटबॉल प्लेयर हैं। प्रतिभा की शादी क्रिकेटर इशांत शर्मा से हुई है। उत्तर प्रदेश में बास्केटबॉल के क्षेत्र में अर्जुन अवार्ड पाने वाली प्रशांति पहली महिला खिलाड़ी हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

'ए जेंटलमैन' फिल्म में पोल डांस करती दिखेंगी जैकलीन

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जैकलीन फर्नांडिस स्टारर फिल्म ए जेंटलमैन का गाना ओ चंद्रलेखा 3 अगस्त को रिलीज कर दिया गया है। इस गाने में फील्म के लीड स्टार्स काफी मस्ती करते हुए नजर आ रहे हैं। गाने को देखने से ऐसा लग रहा है कि सिद्धार्थ अपनी ऑफिस की किसी पार्टी में हैं। जहां वो जैकलीन को देखकर गाना और डांस करना शुरू कर देते हैं। इस गाने में सिड के कूल मूव्स के अलावा जिससे आपकी नजरें नहीं हटेंगी वो है जैकलीन का पोल डांस। इस पोल डांस को देखकर आपकी सांसे थम जाएंगी। यह गाना एक पेपी नंबर है जिसे आप बार-बार सुनना जरूर चाहेंगे। बता दें कि कुछ दिन पहले जैकलीन ने आधी रात को पोल डांस करने की तैयारी का एक वीडियो पोस्ट किया था, जो काफी वायरल हुआ था। उस समय यह समझना मुश्किल था कि आचनक आधी रात को जैकलीन यह पोल डांस क्यों कर रही हैं, लेकिन अब साफ है कि दरअसल यह वीडियो इसी गाने की तैयारी था। 'ए जेंटलमैन' के इस नए गाने को सचिन-जिगर ने कंपोज किया है वहीं इस गाने में आवाज दी है विशाल ददलानी और जोनिता गांधी ने। वायु द्वारा लिखे गए इस गाने में ऑफिस पार्टी का मूड बनाया गया है और गाने में सिद्धार्थ माइक पकड़कर गाना गाते नजर आ रहे हैं। 'ए जेंटलमैन' फिल्म में सिद्धार्थ ने डबल रोल निभाया है। इनके किरदारों का नाम 'गौरव' और 'ऋषि' है। फिल्म में जैकलीन ने सिद्धार्थ के लव-इंट्रेस्ट का रोल निभाया है। काव्या गौरव से प्यार करती है लेकिन वो कुछ ज्यादा ही सुशील है। काव्या को ऋषि जैसे रिस्की लड़के पसंद है। अब काव्या के प्यार का हकदार गौरव होगा या ऋषि, ये 25 अगस्त को सिनेमाघरों में ही मालूम पड़ेगा।

जॉन अब्राहम तापसी पन्नू होंगे साथ, पर नहीं होगा रोमांस

बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम तापसी पन्नू के साथ जोड़ी जमाते नजर आ सकते हैं। जॉन अब्राहम अपनी आने वाली फिल्म परमाणु-द स्टोरी ऑफ पोखरण को लेकर काफी उत्साहित हैं। यह फिल्म 1998 में किए गए परमाणु परीक्षण की सच्ची कहानी पर आधारित है। जॉन न सिर्फ इस फिल्म के हीरो हैं बल्कि वह इस फिल्म के निर्माता भी हैं। जॉन अब्राहम की प्रोडक्शन कंपनी ने एक हॉलीवुड फिल्म के राइट भी खरीद लिए हैं। इस फिल्म में उनके साथ तापसी पन्नू भी दिखाई दे सकती हैं। यह पहली बार होगा जब तापसी पन्नू और जॉन किसी फिल्म में एक साथ दिखाई देंगे। हालांकि इस फिल्म में दोनों एक-दूसरे के प्यार और रोमांस नहीं करेंगे में नहीं होंगे। परमाणु-द स्टोरी ऑफ पोखरण एक एक्शन ड्रामा है। इसके बाद जॉन एक थ्रिलर फिल्म पर काम करना चाहते हैं। वह इस अनाम फिल्म का निर्देशन लक्ष्य नामक एक नए निर्देशक को सौंपेंगे। जॉन अब्राहम की प्रोडक्शन कंपनी क्रिआर्ज एंटरटेनमैंट के साथ मिलकर इस फिल्म का निर्माण करेगी।

मलाइका ने पति अरबाज से मांगे करोड़ों रुपए? तो मचा बवाल

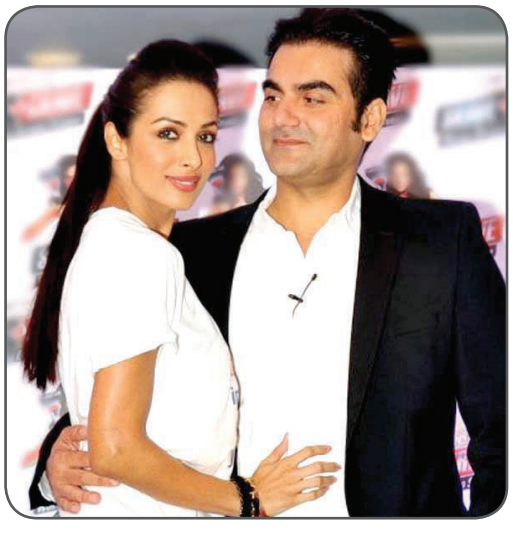

बॉलीवुड एक्ट्रैस मलाइका अरोड़ा खान अपने पति अरबाज खान से अलग होने के बाद अक्सर मीडिया में छाई रहती है। मलाइका अक्सर सोशल साइड पर अपनी फोटोज शेयर करती रहती है। हाल ही में मलाइका सोशल साइट पर ट्रोल हुई लेकिन इस बार वो चुप नहीं बैठी और उन्होंने इसका जवाब दिया। दरअसल, फोटोग्राफर ने सोशल मीडिया पर मलाइका अरोड़ा की कुछ फोटोज को शेयर कर दी। इन फोटोज पर लाइक और कमेंट्स तो उन्हें खूब मिले लेकिन मामला तब बढ़ा जब कुछ यूजर्स ने मलाइका को ट्रोल करना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं कुछ ने तो उनकी निजी जिन्दगी के बारे में काफी कुछ कहा। मलाइका की इस तस्वीर पर एक यूजर ने लिखा, आजकल की महिलाएं सिर्फ और सिर्फ अमीर लड़को से शादी करती हैं और फिर मोटी एलीमनी के लिए तलाक ले लेती हैं और इस एलिमनी के मिलने के बाद वो उनके इस पैसो पर खूब मौज मस्ती करती है। मैं यह कहना चाहता हूं आपको ऐसी एलीमनी क्यों चाहिए जब आप कमाने के लिए समर्थ हैं मैं लोंगों की रिस्पेक्ट करता हूं जेंडर की नहीं। साथ ही ये यूजर आगे बढ़ते हुए कहने लगा कि, इनकी लाइफ में अब महंगे और छोटे कपडे, जिम और सैलून में जाना, अपने दोस्तों के साथ क्या सच में आपके पास कोई काम नहीं। बता दें की मलाइका और अरबाज के रिश्ते कुछ सालों से आपस में ठीक नहीं थे। इसके कई कारण में से एक कारण यह भी बताया जा रहा था कि मलाइका अपने से कम उम्र के अर्जुन कपूर को डेट कर रहे थे लेकिन हाल ही में एक मैगजीन के इंटरव्यू में मलाइका और अर्जुन के रिश्ते से पर्दा उठाया हैं। उन्होंने अर्जुन को अपना सच्चा दोस्त माना हैं।